Annual Report | 2008-09

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2008-09

विषय सूची

प्राक्कथन v
सीबीएसई – एक प्रगतिशील राष्ट्रीय बोर्ड 1
बोर्ड की संरचना 5
प्रतिनिधित्व एवं शैक्षिक सहभागिता 8
सूचना का अधिकार 9
प्रशासनिक परिवर्तन 12
राजभाषा का प्रचार–प्रसार 18
2008 परीक्षाएं 20
ग्रेडिंग 33
नई छात्रवृत्ति योजना 34
शैक्षिक कार्यकलाप 36
व्यावसायिक शिक्षा 53
शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद 58
समारोह तथा कार्यक्रम 60
सबंद्धता 62

परिशिष्ट

I. राजभाषा कार्यान्वयन समिति 63
II. परिणाम विवरण XII 2008 64
III. परिणाम विवरण X 2008 73
IV. श्रेणीवार अंकों का वितरण XII 81
V. श्रेणीवार अंकों का वितरण X 88
VI. समग्र आंकड़े 92
VII. परीक्षार्थियों की कुल संख्या में वृद्धि X - XII 101
VIII. विषयवार कट–ऑफ अंक तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र – XII 104
IX. विषयवार कट–ऑफ अंक तथा उत्कृष्टता प्रमाण–पत्र – X 108
X. एआईपीएमटी परीक्षा 2008 110
XI. एआईईई 2008 आंकड़ों पर एक दृष्टि 112
XII. सम्बद्ध विद्यालयों की सूची 113
XIII. विद्यालयों की संख्या में संवृद्धि 116
XIV. बोर्ड का शासी निकाय 120
XV वित्त समिति 124
XVI. परीक्षा समिति 125
XVII. सम्बद्धता समिति 126
XVIII. परिणाम समिति 127
XIX एआईपीएमटी सलाहकार समिति 128
XX. पाठ्यचर्या समिति 129
XXI. तुलन पत्र 130
XXII. एआईईई कार्यान्वयन समिति 131
XXIII. सीबीएसई राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार विजेता 132
XXIV. सूचना का अधिकार 136
XXV. प्रकाशनों की सूची 140
XXVI. बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र 146

Contents

Foreword v
CBSE - A Pace Setting National Board 1
Structure of the Board 5
Representation and Academic Partnerships 8
Right To Information 9
Administrative Changes 12
Propagation of Official Language 18
2008 Examinations 20
Grading 33
New Merit Scholarship Scheme 34
Academic Activities 36
Vocational Education 53
Physical Education and Sports 58
Events and Programmes 60
Affiliation 62

Appendices

I Official Language Implementation Committee 63
II Result Details XII 2008 64
III Result Details X 2008 73
IV Gradewise Distribution of Marks XII 81
V Gradewise Distribution of Marks X 88
VI Overall Statistics 92
VII Increase in Total No. of Candidates X & XII 101
VIII Subject Wise CutOff Scores and Merit Certificates XII 104
IX Subject Wise CutOff Scores and Merit Certificates X 108
X AIPMT Examination – 2008 110
XI AIEEE 2008 Statistics at a Glance 112
XII Position of Affiliated Schools 113
XIII Growth of Affiliated Schools 116
XIV Governing Body of the Board 120
XV Finance Committee 124
XVI Examination Committee 125
XVII Affiliation Committee 126
XVIII Results Committee 127
XIX Advisory Committee AIPMT 128
XX Curriculum Committee 129
XXI Balance Sheet 130
XXII AIEEE Implementation Committee 131
XXIII List of CBSE Awardees 132
XXIV Right To Information 136
XXV List of CBSE Publications 140
XXVI Jurisdiction of Regional Offices of the Board 146

प्राक्कथन
Foreword

बोर्ड द्वारा पिछले वर्ष के दौरान शुरू किये गये कार्यक्रमों तथा महत्वपूर्ण कार्यकलापों को आपके साथ बांटते हुये मुझे अपार हर्ष हो रहा है । इस वार्षिक रिपोर्ट को पूर्णतया नये फार्मेट में जारी करते हुये मुझे प्रसन्नता महसूस हो रही है जिसे सीबीएसई अथवा संभवतः इस देश के किसी बोर्ड द्वारा पहली बार अपनाया गया है । सामान्य मुदण के अलावा इस वर्ष की सीबीएसई वार्षिक रिपोर्ट को डिजिटाइज किया गया है और सीडी में भी प्रस्तुत किया जा रहा है ।

रिपोर्टाधीन अवधि कई अन्य कारणों से भी महत्वपूर्ण थी। पटना व भुवनेश्वर में दो नये क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किये गये जो अब पूरी तरह कार्य कर रहे हैं। पटना क्षेत्रीय कार्यालय, बिहार तथा झारखण्ड राज्य के लगभग 550 विद्यालयों की देखभाल कर रहा है। उसी प्रकार, भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के लगभग 632 स्कूलों की आवश्यकता पूर्ति कर रहा है । इससे वास्तव में विद्यालयों को अपेक्षित राहत मिलेगी और बोर्ड की प्रशासनिक कार्य कुशलता बढ़ेगी ।

पिछले वर्ष भारत तथा विदेशों में 444 विद्यालयों के बढ़ने के साथ सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों की संख्या 31 मार्च, 2009 तक 10011 पहुंच गयी है ।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा 2005 के आधार पर इस वर्ष कक्षा X तथा XII में मुख्य विषयों के प्रश्न–पत्रों को पुन; डिजाइन किया गया । नये फार्मेट के तहत रटने के बजाय कौशल अधिगम की ओर प्रतिमानात्मक बदलाव किया गया है । इस नये दृष्टिकोण के साथ प्रश्न–पत्रों का संशोधित पैटर्न अब समक्रमिक हो गया है । सूचना की समझ की जांच करने के अतिरिक्त प्रश्न–पत्र छात्र

It gives me great pleasure to share the significant activities and programs initiated by the Board during the last one year. I feel delighted to present the Annual Report 2008-09 in a completely refreshing format, first time ever adopted by CBSE or perhaps by any Board of this Country. Making a departure from mundane practices, the CBSE Annual Report for this year has been digitized and being presented in CD also.

The period under report was significant due to many other developments reflecting expansion and growth in diverse areas of CBSE functions. Two new regional offices were set up in Patna and Bhubaneshwar which are fully functional now. The Patna regional office caters to the state of Bihar and Jharkhand and manages approximately 550 schools. Similarly regional office Bhubaneshwar looks after approximately 632 schools in the states of Orissa, West Bangal and Chhatisgarh. This will indeed bring the much desired relief to the schools and further increase the administrative efficiency of the Board.

With an increase of 444 schools in India and abroad last year the number of affiliated schools as on 31th March 2009 now stands at 10011.

The question papers in major subjects in Class X & XII were redesigned this year on the basis of the recommendations of National Curriculum Framework 2005. There has been a paradigm shift from rote to skill learning under the new format. The revised pattern of question papers is now in sync with this new approach. Besides testing understanding of information, the question paper

की विश्लेषण मूल्यांकन, औचित्यता, तथा तर्क क्षमता को मापने के लिए भी डिजाइन किए गए हैं। तत्पश्चात इस वर्ष कक्षा X तथा XII में क्रमशः पास प्रतिशत में 0.27 तथा 2.64 की वृद्धि हुई।

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2008 में कक्षा XII में 9.18% छात्रों की वृद्धि दर्ज की गयी। लडकों के 77.59% उत्तीर्ण प्रतिशत की तुलना में लडकियों ने 85.44% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ लड़कों से अच्छा प्रदर्शन किया । पहले की तरह ही चैन्ने क्षेत्र ने 91.75% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया ।

इसी प्रकार कक्षा X की परीक्षा में 2007 की तुलना में अभ्यर्थियों की संख्या में 8.48% की वृद्धि हुई । छात्रों की 86.46 उत्तीर्ण प्रतिशतता की तुलना में लड़कियों ने 87.96 की उत्तीर्ण प्रतिशतता के साथ लडकों से बेहतर प्रदर्शन किया। चेन्नै क्षेत्र 95.26ः के साथ फिर से शीर्ष पर रहा ।

21वीं प्री–मेडिकल एवं प्री–डेंटल परीक्षा के साथ–साथ 7वीं अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा का आयोजन पूरे देश में निर्बाध रूप से किया गया । बोर्ड ने इस वर्ष ग्रीष्म, शीतकाल तथा नये स्कूलों के लिए कक्षा– VI में प्रवेश हेतु नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का भी आयोजन किया । इन परीक्षाओं में लगभग 12,93,045 उम्मीदवारों ने भाग लिया । बोर्ड ने जेएनवी में कक्षा IX में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का भी आयोजन किया । इस वर्ष 77,660 उम्मीदवारों ने भाग लिया ।

वर्ष 2011 के लिए पाठ्यचर्या दस्तावेज को अद्यतन किया गया है और कुछ परिवर्तनों के साथ उन्हें मुद्रित किया गया। कम्प्यूटरीकृत डिजाइन शामिल करने के लिए वैकल्पिक विषय इंजीनियरिंग ड्राईंग के क्षेत्र का आगे विस्तार किया गया और विषय का अब 'इंजीनियरिंग ग्राफिक्स' के रूप में पुनर्नामकरण किया गया है । उसी प्रकार आरंभिक सूचना प्रौद्योगिकी में आवश्यक बदलाव कर उसे सूचना प्रौद्योगिकी का आधार नाम दिया गया है । इस वर्ष दो नये वैकल्पिक विषय हेरिटेज क्राफ्ट तथा ग्राफिक्स डिजाइन कक्षा–11 में लागू किए गए।

is also designed to measure the ability of the student to reason, justify, analyze and evaluate information. Subsequently there was an improvement of 0.27% and 2.64 % respectively in Class XII & X results.

There was an increase of 9.18% candidates in Class XII in 2008 as compared to last year. Girls performed better than boys with 85.44% as compared to the pass percentage of 77.59 of Boys. As usual, Chennai region topped with 91.75%.

There was an increase of 8.48% candidates in Class X over 2007. Girls performed better with 87.96% as compared to a pass percentage of 86.46 of boys. Chennai region topped again with 95.26%.

The 21st Pre Medical and Pre Dental Examination was conducted smoothly all over the country as also the 7th All India Engineering Entrance Examination. The Board also conducted Jawahar Naovday Vidyalay selection test for admission to class VI thrice this year for summer, winter and new schools. About 1293045 candidates appeared in these examinations. The selection test for admission to class IX in JNV for 77660 candidates was also conducted this year.

The curriculum document for 2011 was updated and printed with a few changes. The scope of the elective subject 'Engineering Drawing' has been further expanded to include computer aided designing and the subject has been now renamed as Engineering Graphics. Similarly Introductory Information Technology has been re–hauled and renamed as Foundation of Information Technology. Two new elective subjects called Heritage Craft and Graphics Design were introduced in Class XI this year.

इस वर्ष की महत्वपूर्ण विशिष्टताओं में से एक कक्षा XII में अंग्रेजी तथा अर्थशास्त्र के विषयों में तथा कक्षा X में गणित विषय में निष्पादन विश्लेषण रहा जो सीबीएसई द्वारा आस्ट्रेलियन काउंसिल ऑफ एड्यूकेशनल रिसर्च के सहयोग से किया गया। यह विश्लेषण मुख्य परीक्षकों तथा परीक्षकों को महत्वपूर्ण आगत प्रदान करेगा ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा नये संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यो तथा अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम सहित छात्रों की प्रतिभाओं की पहचान करने और आगे प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न दूसरे कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि छात्र विज्ञान प्रदर्शनी, मैथ ओलम्पियाड, हेरिटेज क्विज तथा नेशनल इन्फारमेटिक्स ओलम्पियाड जैसे संवर्धन कार्यक्रमों में भाग ले सकें ।

किशोरों की चिंताओं और उनके मामलों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए किशोर शिक्षा परियोजना के तहत भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। व्यापक स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

सीबीएसई शिक्षा क्षेत्र के प्रथम उपग्रह सेवा नेटवर्क सहयोगियों में से भी एक है । भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद ने सीबीएसई को छह उपग्रह टर्मिनल आवंटित किए हैं । डीटीएच के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को अंतरव्यवहारिक बनाने के लिए यह सुविधा पेश की गई है। इस वर्ष विभिन्न स्थानों पर टेलिकान्फ्रेसिंग द्वारा नई पाठ्य पुस्तकों के लिए अध्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

+ 2 स्तर पर व्यावसायिक विषयों में अधिक से अधिक छात्रों को शामिल करने के उद्देश्य के साथ बोर्ड ने 30 व्यावसायिक कोर्सो का पुनरीक्षण किया है। कौशल अभिविन्यास सम्मिलित करने के लिए इन कोर्सो की पुनः संरचना की गई है। संयुक्त प्रमाणन तथा व्यावसायिक गतिशीलता के लिए उद्योग के साथ सहयोग करने के लिए बोर्ड ने आगे कदम बढ़ाया है । हैल्थकेयर तथा फैशन डिजाइन एवं गारमेंट टेक्नोलाजी के क्षेत्र में नये व्यावसायिक कोर्स तैयार किए गए है और ये अगले सत्र से प्रारंभ किए जाने के लिए तैयार है ।

One of the important activities this year was the Performance Analysis arranged by the Board in subjects of English and Economics in class XII and Mathematics in Class X by CBSE in collaboration with Australian Council of Educational Research. The analysis will provide important inputs to Head Examiners and Examiners.

The Board organized various enrichment and orientation programs for newly inducted schools principals and teachers and students to participate in activities like Science Exhibition, Maths Olympiad, Heritage Quiz and National Informatics Olympiad.

A number of training programs were conducted under the Adolescent Education Project with a focus on issues and concerns of adolescents. Orientation Programme for Master Trainers were also organized under Comprehensive Schools Health Programme.

CBSE is also one of the network partners of the first satellite serving education sector. The Indian Research Space Organization, Ahmedabad has allotted six satellite terminals to CBSE. The facility was put to use for interactive distance based education system through DTH. Teacher orientation for new text books through tele conferencing was conducted at various places during the year.

With the aim of covering more and more students at +2 level under vocational stream the Board has undertaken the review of 30 vocational courses. These courses have being re-structured to incorporate skill orientation. The Board has also moved ahead to collaborate with the industry for join certification and vertical mobility. New vocational courses in the field of Health Care and Fashion Design and Garment Technology have been prepared and are ready for launch.

सीबीएसई वर्षो से अपने कार्यकलाप एवं कार्यक्रमों में सुधार कर रहा है । इसकी लोकप्रियता एवं वैश्विक उपस्थिति ने इसे और अधिक उत्तरदायी एवं जवाबदेह बना दिया है । प्रचार– प्रसार बोर्ड का मुख्य आधार है और इसी नाते दिन–प्रतिदिन के कार्यो में आई सी टी की नवीनतम पद्धति को समावेशित किया गया है। संबद्धता, काउंसलिंग, परिणामों के प्रचार–प्रसार के लिये तथा जनता के साथ सम्पर्क बनाने के लिए ऑन लाईन, इन्टरनेट, इन्टर एक्टिव वॉयस रेसपॉन्स सिस्टम, एसएमएस, आदि सुविधाओं का बोर्ड द्वारा व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जाता है ।

सीबीएसई बेबसाइट बड़े पैमाने पर सभी पणधारियों के बीच लोकप्रिय है इससे एक लिंक अध्यक्ष और सचिव के साथ सीधा संपर्क करने के लिए स्थापित किया गया और इसे आकर्षित बनाया गया। इससे केवल पहुंच ही नहीं बढ़ी बल्कि मौजूदा तरीकों की बेहतरी के लिए जनता द्वारा कुछ बहुमूल्य सुझाव भी मिलें। प्राप्त फीड बैक उत्साहवर्धक है और उसकी समीक्षा की जाएगी।

सीबीएसई की एक अन्य प्रमुख परियोजना प्रशिक्षित काउंसलरों और प्रिसिपलों द्वारा प्रदान किया जाने वाला मनोवैज्ञानिक परामर्श है। इसकी लोकप्रियता और जरूरत का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि यह कार्यक्रम निरंतर सफलतापूर्वक बारहवें वर्ष में चल रहा है।

सूचना अधिकार अधिनियम लागू होने से संस्थानों की कार्य विधियों में एक मूलभूत परिवर्तन आया है। बोर्ड ने सरकार के इस प्रयास को प्रभावी ढंग से जनता की जबावदेही, पारदर्शिता और सुशासन के लिए अपनाया है।

मैं, श्री अर्जुन सिंह, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सतत समर्थन व मार्गदर्शन का उल्लेख करना एवं कृतज्ञता प्रकट करना अपना विनम्र कर्तव्य समझता हूँ । मैं, मो0 अली अशरफ फातमी मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, एवं बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी तथा दोनो माध्यमिक शिक्षा तथा साक्षरता सचिव श्री ए.के. रथ तथा श्रीमती अंशु वैश के प्रति भी अपना आभार प्रकट करता हूं ।

CBSE has been improving its scope of activities and functions over the years. Its popularity and global presence has also enjoined greater accountability and responsiveness upon it. Communication is the mainstay of the Board, latest modes of ICT have been incorporated in day to day functioning where Online mode, Interactive Voice Response System, SMS, Internet are extensively used for making public contact for the purpose of the affiliation, counseling, result dissemination and so on.

CBSE website is extensively popular among all stake holders and was made more interactive when a link was set up to intract with me as the Chairman and Secretary. This not only increased accessibility but also resulted in some valuable inputs given by public for the betterment of existing practices. The feed back has been encouraging and is under review.

Another flagship project of CBSE is the psychological counseling provided by trained counselors and even our principals.The programme is now in its twelfth year which itself speaks about its immense success popularity and need.

The Right to Information Act has brought about a radical change in the overall functioning of the organizations.The board has responded effectively to this initiative of the government by imbibing public responsiveness, transparency and good governance.

It is my humble duty to mention and thank Shri Arjun Singhji the Hon'ble Minister of HRD, for the continuous support and guidance provided to the Board. I would also like to express my gratitude to the Hon'ble Minister of State of HRD Mohd. Ali Ashraf Fatmi and yo Shri A.K. Rath and Smt. Anshu Vaish Secretary (School Education & Literacy) in their capacity as the Controlling authority of the board.

मैं शासी निकाय के सदस्यों, सभी समितियों, प्रधानाचर्यों, शिक्षा कोर और सबसे अधिक पुलिस कर्मियों को उनके समय पर दिए गए सहयोग तथा बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए हार्दिक रूप से धन्यवाद देता हूं ।

मैं बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक गांगुली जी को उनके सामरिक मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूं । मैं अपने सहकर्मियों तथा विभागाध्यक्षों के सतत सहयोग के लिए भी आभारी हूं ।

श्रीमती रमा शर्मा, जन संपर्क अधिकारी, सीबीएसई इस डिजिटल वार्षिक रिपोर्ट की संकल्पना को साकार रूप में लाने के लिए विशेष श्रेय की हकदार हैं । मैं उन्हें इस अभिनव तथा रचनात्मक प्रयास के लिए विशिष्ट श्रेय देता हूं ।

विनीत जोशी, (आई. ए. एस)
सचिव एवं अध्यक्ष, सीबीएसई

दिनांक : 31 मार्च 2009
दिल्ली

My heart felt thanks are due to the Members of the Governing Body, all the Committees, Principals, Education Corps and most of all the Police Personnel in providing their timely support and valuable guidance.

Shri Ashok Ganguly the former Chairman of the Board also gave strategic guidance and I thank him for the same. I am grateful to all my Colleagues and Head of Departments for their unstinted support.

Shrimati Rama Sharma, Public Relations Officer, CBSE deserves special credit for proposing the creative for Annual Report and implementing the very idea. I place on record my special appreciation for Shrimati Rama Sharma for the innovative thought and creative endeavor.

Vineet Joshi, IAS
Secretary & Chairman CBSE

Dated- 31st March 2009
Delhi

सीबीएसई – एक प्रगतिशील राष्ट्रीय बोर्ड
CBSE - A Pace Setting National Board

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

बोर्ड को वर्तमान स्तर पर स्थापित करने के लिए वर्षों तक हुई प्रगति महत्वपूर्ण परिवर्तनों को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन पहला बोर्ड था जिसकी स्थापना 1921 में हुई थी। राजपूताना, मध्य भारत तथा ग्वालियर इसके अधिकार क्षेत्र में आते थे आरै संयुक्त प्रांतों की सरकार द्वारा किए गए अभ्यावेदन के उत्तर में तत्कालीन भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों के लिए वर्ष 1929 में एक संयुक्त बोर्ड स्थापित करने का सुझाव दिया जिसका नाम ''बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन राजपूताना'' रखा गया। इसमें अजमेर, मेरवाड़ा, मध्य भारत और ग्वालियर शामिल थे।

बोर्ड ने माध्यमिक शिक्षा स्तर पर तीव्र प्रगति और विस्तार किया जिसके फलस्वरूप इसके संस्थानों में शिक्षा के स्तर एवं स्वरूप में सुधार आया परन्तु राज्यों के विश्वविद्यालयों और देश के विभिन्न भागों में राज्य बोर्ड स्थापित हो जाने से केवल अजमेर भोपाल और तत्पश्चात् विंध्य प्रदेश ही इसके अधिकार क्षेत्र में रह गए। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 1952 में बोर्ड में संगठनात्मक संशोधन किए गए जिससे इसका क्षेत्राधिकार भाग–ग और भाग–घ के क्षेत्रों तक बढ़ा दिया गया और बोर्ड को इसका वर्तमान नाम ''केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड'' दिया गया। अंततः, 1962 में बोर्ड का पुनर्गठन किया गया। इसके प्रमुख उद्देश्य थे – शिक्षा संस्थानों को अधिक प्रभावशाली ढंग से सहयोग प्रदान करना, उन विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होना जिनके

Historical Background

A trail of developments mark the significant changes that took place over the years in shaping up the Board to its present status. U.P. Board of High School and Intermediate Education was the first Board set up in 1921. It had under its jurisdiction Rajputana, Central India and Gwalior. In response to the representation made by the Government of United Provinces, the then Government of India suggested to set up a joint Board in 1929 for all the areas which was named as the 'Board of High School and Intermediate Education, Rajputana. This included Ajmer, Merwara, Central India and Gwalior.

The Board witnessed rapid growth and expansion at the level of Secondary education resulting in improved quality and standard of education in institutions. But with the advent of State Universities and State Boards in various parts of the country the jurisdiction of the Board was confined only to Ajmer, Bhopal and Vindhya Pradesh later. As a result of this, in 1952, the constitution of the Board was amended wherein its jurisdiction was extended to part-C and Part-D territories and the Board was given its present name 'Central Board of Secondary Education'. It was in the year 1962 finally that the Board was reconstituted. The main objectives were those of: serving the educational institutions more effectively, to be responsive to the educational needs of those students whose parents

माता–पिता केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी थे और निरंतर स्थानान्तरणीय पदों पर कार्यरत थे।

क्षेत्राधिकार

बोर्ड का अधिकार क्षेत्र व्यापक है और राष्ट्र की भौगोलिक सीमाओं से बाहर भी फैला हुआ है। पुनर्गठन के फलस्वरूप पहले दिल्ली माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का केन्द्रीय बोर्ड में विलय कर दिया गया और इस प्रकार दिल्ली बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सभी शैक्षिक संस्थाएं भी केन्द्रीय बोर्ड का अंग बन गई। तदनन्तर संघ शासित प्रदेश, चण्डीगढ़, अरूणाचल प्रदेश, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, सिक्किम और अब झारखण्ड, उत्तराचंल एवं छत्तीसगढ़ के स्कूल भी बोर्ड द्वारा सम्बद्ध हैं वर्ष 1962 में मात्र 309 विद्यालयों से 31.3.2009 तक 10011 विद्यालय बोर्ड से संबद्ध है जिनमें 21 अन्य देशों में चल रहे विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें कुल 926 केंद्रीय विद्यालय, 1773 सरकारी विद्यालय, 6759 निजी विद्यालय, 506 जवाहर नवोदय विद्यालय एवं 47 केन्द्रीय तिब्बतन स्कूल सम्मिलित हैं।

विकेन्द्रीकरण

अपने कार्यों को अधिकाधिक प्रभावशाली ढंग से निष्पादित करने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा देश के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं ताकि संबद्ध विद्यालयों के साथ अनुकूलता बढ़ सके। अभी तक बोर्ड के आठ क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर, चेन्नई, इलाहाबाद, गुवाहाटी, पंचकुला, दिल्ली, पटना और भुवनेश्वर में स्थित हैं। देश के बाहर स्थित विद्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के

were employed in the Central Government and had frequently transferable jobs.

Jurisdiction

The jurisdiction of the Board is extensive and stretches beyond the national geographical boundaries. As a result of the reconstitution, the erstwhile' Delhi Board of Secondary Education' was merged with the Central Board and thus all the educational institutions recognized by the Delhi Board also became a part of the Central Board. Subsequently, all the schools located in the Union Territory of Chandigarh. Andaman and Nicobar Island, Arunachal Pradesh, the State of Sikkim, and now Jharkhand, Uttaranchal and Chhattisgarh have also got affiliation with the Board. From 309 schools in 1962 the Board today has 10011 schools on 31-3-2009 including schools in 21 countries. There are 926 Kendriya Vidyalayas, 1773 Government Schools, 6759 Independent Schools, 506 Jawahar Navodaya Vidyalayas and 47 Central Tibetan Schools.

Decentralisation

In order to execute its functions effectively Regional Offices have been set up by the board in different parts of the country to be more responsive to the affiliated schools. At present the board has eight regional offices in Allahabad, Ajmer, Chennai, Guwahati, Panchkula, Patna, Bhubaneshwar and Delhi. Schools located outside India are looked after by Regional Office Delhi.

अन्तर्गत आते हैं। सीबीएसई के क्षेत्रीय कार्यालयों का क्षेत्राधिकार परिशिष्ट XXVI में दिया गया है। मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यकलापों पर नजर रखता है जबकि क्षेत्रीय कार्यालयों को भी पर्याप्त अधिकार दिए गए हैं। प्रशासन संबंधी दिन प्रतिदिन के मामले, विद्यालयों से संपर्क, परीक्षा पूर्व और परीक्षा उपरांत की व्यवस्था आदि सभी मामलों की देख–रेख क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा की जाती है तथापि नीतिगत मामले मुख्यालय को भेजे जाते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप एवं उद्देश्य

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्थापना कतिपय परस्पर संबंधित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की गई थी:

- कक्षा 10वीं और 12वीं के अंत में सावर्जनिक परीक्षाएं आयोजित करने एवं परीक्षाओं से सबंधित शर्तें निर्धारित करने हेतु। संबद्ध विद्यालयों के सफल विद्यार्थियों को अर्हता प्रमाण–पत्र प्रदान करने के लिए।
- उन विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिनके माता–पिता स्थानांतरण ीय पदों पर कार्यरत हों।
- परीक्षाओं के लिए अनुदेश पाठ्यक्रमों का निध ार्रण करने तथा इन पाठय् क्रमों को अद्यतन बनाने के लिए।
- परीक्षा प्रयोजन हेतु विद्यालयों को संबद्धता प्रदान करने के लिए तथा देश के शैक्षिक प्रतिमानों को ऊँचा उठाने के लिए।

The detailed jurisdiction of regional offices of CBSE is mentioned in appendix XXVI. The Headquarter constantly monitors the activities of the Regional Offices. Although, sufficient powers have been vested with the Regional Offices, issues involving policy matters are, however, referred to the Head Office. Matters pertaining to day-to-day administration, liaison with schools, pre and post examination arrangements are all dealt with by the respective regional offices.

Major Activities and Objectives

The Central Board of Secondary Education was set up to achieve certain interlinked objectives:

- To prescribe conditions of examinations and conduct public examination at the end of Class X and XII. To grant qualifying certificates to successful candidates of the affiliated schools.
- To fulfill the educational requirements of those students whose parents were employed in transferable jobs.
- To prescribe and update the courses of instructions of examinations.
- To affiliate institutions for the purpose of examination and raise the academic standards of the country.

बोर्ड के कार्यकलापों का मुख्य केन्द्र

- विद्यार्थी हित एवं विद्यार्थी केंद्रित प्रतिमान स्थापित करते हुए अध्यापन अधिगम प्रणालियों का नवीनीकरण करना।
- परीक्षाओं व मूल्यांकन पद्धतियों में सुधार करना।
- कार्योन्मुख एवं कार्यों से संबंधित आगतों द्वारा कौशल अधिगम प्रदान करना।
- सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं इत्यादि के आयोजन द्वारा अध्यापकों एवं प्रशासकों को नियमित रूप से अद्यतन शैक्षिक कौशल प्रदान करना।

The Prime focus of the Board is on

- Innovations in teching-learning methodologies by devising student friendly and student centered paradigms.
- Reforms in examinations and evaluation practices.
- Skill learning by adding job-oriented and job-linked inputs.
- Regularly updating the pedagogical skills of the teachers and administrators by conducting in service training programmes, workshops etc.

बोर्ड की संरचना
Structure of The Board

अध्यक्ष बोर्ड के मुख्य कार्यकारी है जिनकी सहायता पांच विभागाध्यक्ष : सचिव, निदेशक (शैक्षिक), परीक्षा नियंत्रक विभागाध्यक्ष (एडयूसैट, शोध एवं विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण) तथा विभागाध्यक्ष (विशेष परीक्षा, परियोजना एवं प्रशिक्षण) करते हैं। अध्यक्ष तथा अन्य विभागाध्यक्षों की नियुक्ति बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी, शिक्षा सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की जाती है।

सी.बी.एस.ई. के सचिव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी है जो प्रशासन, लेखा–परीक्षा, जनसंपर्क, विधिक, विद्यालयों को संबद्धता प्रदान करने से संबंधित मामलों के प्रति उत्तरदायी हैं।

निदेशक (शैक्षिक) शैक्षिक एकक के अध्यक्ष हैं। इस एकक के मुख्य कार्यों में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों पर शैक्षिक और व्यावसायिक धारा सहित सभी विषयों के लिए पाठ्यचर्या तैयार करना, अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करना, अध्यापकों तथा विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सहायक सामग्री तैयार करना, तथा शैक्षिक परियोजनाओं का अनुश्रवण करना शामिल है।

परीक्षा नियंत्रक परीक्षाओं से संबंधित सभी मामलों तथा परीक्षा प्रशासन, परीक्षा पूर्व तथा परीक्षा की उत्तरवर्ती मुख्य प्रक्रियाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों से समन्वय, माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा तथा अखिल भारतीय प्री–मेडिकल/प्री–डेंटल प्रवेश परीक्षा आदि से संबंधित सभी कार्यों के लिए उत्तरदायी हैं।

The Chairman is the Chief Executive of the Board assisted by five Heads of Departments, the Secretary, the Director (Academic), the Controller of Examinations, the Head of Department (Edusat, Research Development and Vocational Education) and the Head of Department (Special Examinations). The Secretary (Education), Ministry of Human Resource Development, Government of India is the Controlling Authority of the Board and appoints the Chairman and Heads of Departments.

The Secretary, CBSE, is the Chief Administrative Officer responsible for the matters relating to Administration, Audit and Accounts, Public Relations, Legal and grant of affiliation to schools.

The Director (Academic) is the head of the Academic unit. The major functions of the unit include developing the curriculum for all the subjects in academic and vocational streams at the secondary and senior secondary levels, to organize teacher's training workshops to develop support material for the guidance of the teachers and students, to publish text books for secondary and senior secondary classes and monitoring the academic projects.

The Controller of Examinations is responsible for all matters concerning examinations and administration of examinations, the major areas being pre and post examination work, co-ordination with Regional Offices for conducting annual Secondary and Senior School Certificate Examinations and All India Pre-Medical/Pre-Dental Entrance Examination etc.

विभागाध्यक्ष (ऐडयूसैट, शोध एवं विकास, व्यवसायिक प्रशिक्षण) भारतीय अन्तरिक्ष शोध संस्थान द्वारा विकसित उपग्रह ऐडयूसैट द्वारा दूरस्थ प्रशिक्षण, शोध एवं विकास तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी हैं।

विभागाध्यक्ष (विशेष परीक्षा, परियोजना व प्रशिक्षण) अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा तथा जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं।

वित्तीय व्यवस्था

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एक स्वयं वित्त पोषित निकाय है जिसे अपना आवर्ती एवं अनावर्ती व्यय करने के लिए केन्द्रीय सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से कोई वित्तीय सहायता या अनुदान प्राप्त नहीं होता। बोर्ड की समस्त वित्तीय आवश्यकताओं को वार्षिक परीक्षा प्रभार, संबद्धता शुल्क, पी.एम.टी. तथा अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के प्रवेश शुल्क तथा बोर्ड के प्रकाशनों के विक्रय इत्यादि से प्राप्त धन से पूरा किया जाता है।

दिनांक 31.3.2009 तक बोर्ड के स्टाफ की समूहवार संख्या इस प्रकार थी:

संरचनात्मक ढाँचा

कन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बौर्ड का संरचनात्मक ढांचा अनुबन्ध – 'क' में दिया गया है।

The Head of Department (Edusat, Research Development and Vocational Education) is responsible for all matters concerning Distance Education through Education Satellite launched by I.S.R.O. and designing of curriculum etc. for vocational subjects.

The Head of Department (Special Examinations) is responsible for all matters concerning the All India Engineering Entrance Exams. and Jawahar Navodaya Vidyalaya Selection Test etc.

Financial Set-up

CBSE is a self-financing body which meets the recurring and non-recurring expenditure without any Grant-In-Aid either from the Central Govt. or from any other source. All the financial requirements of the Board are met from the annual examination charges, affiliation fee, admission fee for PMT. All India Engineering Entrance Examination and sale of board's publications.

The group-wise sanctioned strength of the staff of the Board as on 31.03.2009 is as follows:

Organogram

The organizational structure of the CBSE is given in Annexure –'A'

वर्ग / Group	संख्या / Number
'क' 'A'	103
'ख' 'B'	90
'ग' 'C'	626
'घ' 'D'	147
कुल / Total	966

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की संरचना
Organisational Structure of the CBSE

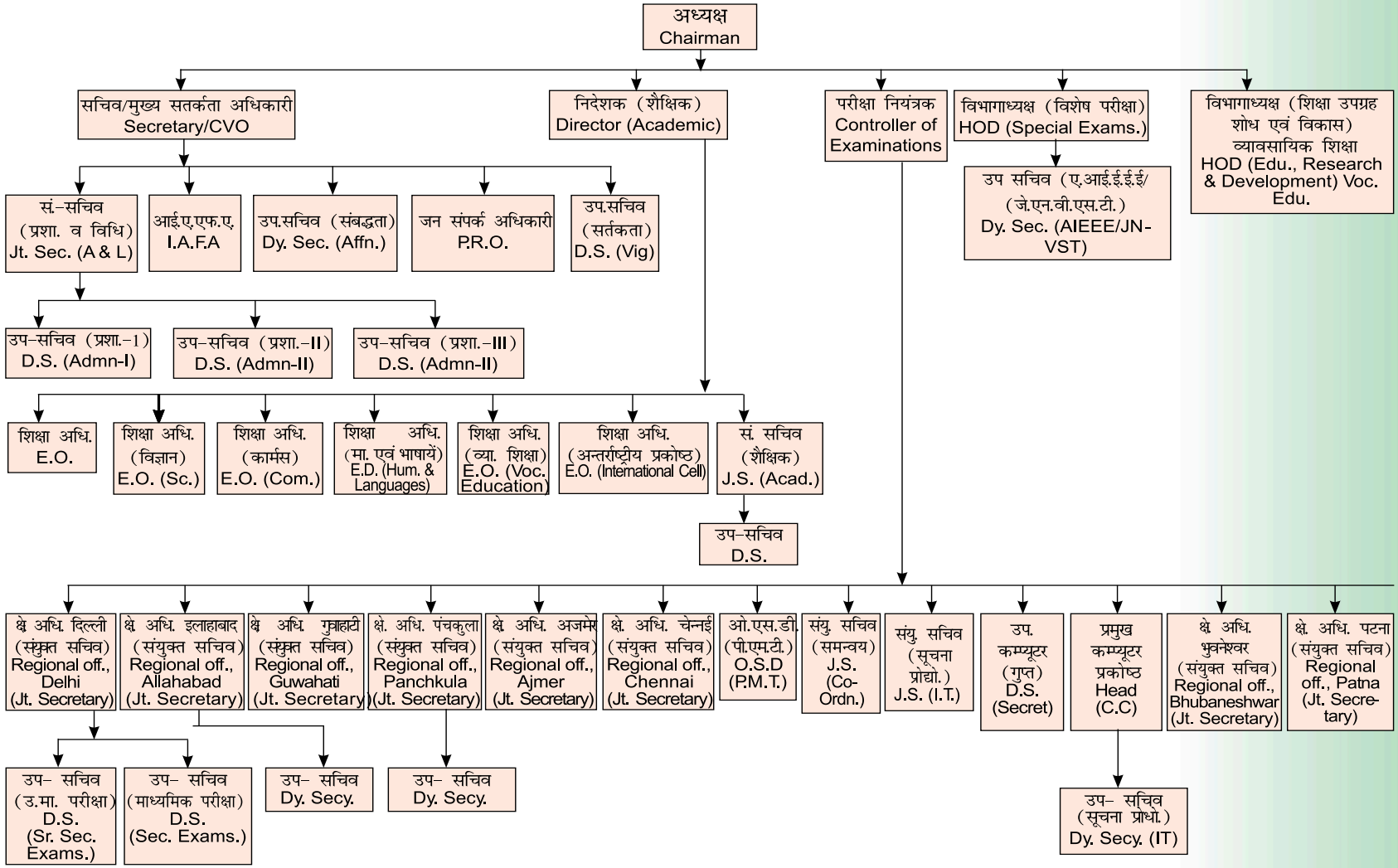

प्रतिनिधित्व एवं शैक्षिक सहभागिता
Representation and Academic Partnerships

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय उदीयमान आयामों की दृष्टि से बोर्ड शैक्षिक आदान–प्रदान और सहभागिता को बढ़ावा देता है। बोर्ड के अध्यक्ष निम्नलिखित राष्ट्रीय शैक्षिक निकायों के सलाहकार मंडल के सदस्य हैं:

- दिल्ली विश्वविद्यालय
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- संयुक्त व्यावसायिक शिक्षा परिषद्
- राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी)
- केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.)
- जवाहर नवोदय समिति
- राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा संचालन समिति
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद्
- राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)

बोर्ड नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका के शिक्षा बोर्डों, यूनेस्को, आईबीई तथा यूएनएफपीए जैसी एजेंसियों को भी सहयोग एवं सहभागिता प्रदान करता है।

Academic exchanges and partnerships are encouraged in view of the emerging national and international dimensions. Chairman CBSE is a member on the Advisory Panel of many national educational bodies like:

- University of Delhi
- Jamia Millia Islamia
- Joint Council of Vocational Education
- National Council of Teacher Education
- Association of Indian Universities
- National Council for Educational Research and Training (NCERT)
- Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS)
- Jawahar Navodaya Samiti
- National Steering Committee on Population Education
- National Institute of Open Schooling (NIOS)
- Council of Boards of Secondary Education (COBSE)
- National University of Educational Planning and Administration (NUEPA)

CBSE also collaborates with Education Boards of Nepal, Bhutan, Bangladesh, South Africa and agencies like UNESCO, IBE, UNFPA.

सूचना अधिकार अधिनियम
Right to Information Act

सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 5(2) के अनुपालन हेतु एवं आज्ञापक उपबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सीबीएसई ने समुचित व्यवस्था की है। जिसके अन्तर्गत जन संपर्क अधिकारी को मुख्य जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) नामित किया गया है। सभी विभागाध्यक्षों को अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को क्षेत्रों के अपीलीय अधिकारी एवं सहायक सचिवों को जन सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जन संपर्क एकक में जन सूचना काउंटर गठित किया गया है। यह काउंटर सभी कार्यदिवसों में कार्यालय घण्टों के दौरान कार्यरत है।

इसी प्रकार, जन सूचना अधिकारियों के सीधे निरोक्षगाधीन जन सूचना केन्द्र सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में भी गठित किए गए हैं।

सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त किये गये आवेदनों/अपीलों का विवरण निम्नलिखित है:

- प्राप्त किए आवेदन 1260
- आवेदनों की उत्तर संख्या 1250
- प्राप्त प्रथम अपीलें 78
- अपीलों की उत्तर संख्या 74
- आरटीआई त्रैमासिक रिपोर्ट 4
- आरटीआई वार्षिक रिपोर्ट 1

इसी दौरान, केन्द्रीय सूचना आयोग को नियमित तिमाही रिपोर्ट प्रेषित की गई इसके साथ ही प्राप्त हुए केसों को बोर्ड को वेबसाइट पर जन सूचना के लिये डाला गया।

तैनात अधिकारियों की सूची सीबीएसई वेबसाईट और **परिशिष्ट – XXIV** में भी दी गई है।

In compliance with section 5(2) of the Act, effective operationalisation of the mandatory provisions of the RTI Act, have been ensured in CBSE. The public Relations Officer has been appointed as the Chief Public Information Officer (CPIO). All the Heads of the Department have been designated as the Appellate Authority. In addition, all the Regional Officers have been appointed as the Appellate Authorities for the Regions and the Assistant Secretaries have been appointed as Public Information Officers (PIO) in the regions.

Public Information Counter has been set up in the Public Relations Unit. This counter functions during officer hours on all working days.

Public Information Counters have also been set up in the Regional Offices under direct supervision of Public Information Officers.

The details of applications and appeals received during the period under report are:

- No. of applications received 1260
- No. of applications replied 1250
- No. of Ist appeals received 78
- No. of appeals disposed off 74
- No. of Quarterly RTI Reports 4
- RTI Annual Report 1

During this period, quarterly reports were compiled and sent to Central Information Commission. Information was also put up on CBSE Website for public information.

The list of designated officers has been displayed at CBSE website and also given in Appendix XXIV.

लोक शिकायतों का निवारण

लोक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ 1993 में गठित किया गया था। यह पक्रोष्ठ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त लोक शिकायतों का निरंतर अनुवीक्षण करता है और लोक शिकायतों का समय पर निपटान सुनिश्चित करता है। बोर्ड के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को पूर्वाह्न ''बैठक रहित दिवस'' के रूप में रखा जाता है जिसमें जनता अपनी समस्याएं, सीधे ही वरिष्ठ अधिकारियों से मिल कर सुलझा सकती है। बोर्ड द्वारा मानव संसाधन मंत्रालय तथा लोक शिकायत निदेशालय, मंत्री मंडल सचिवालय को लोक शिकायतों की मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से भेजी जाती हैं। प्रसंगाधीन समय के दौरान कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुई और उनका निपटान उचित समय सीमा में शिकायतकर्ता के पक्ष में किया गया।

अनाचार प्रकोष्ठ

लोक शिकायत निवारण के अतिरिक्त बोर्ड का जन संपर्क एकक अनाचार प्रकोष्ठ का भी अनुवीक्षण करता है जिसका गठन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य प्राइवेट संगठनों और संस्थाओं की शैक्षिक गतिविधियों पर नज़र रखना है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दैनिक समाचार–पत्रों में छपे, गुमराह करने वाले विज्ञापनों का भी अनुवीक्षण करता है और अन्य जन स्रोतों से प्राप्त शिकायतों की भी तत्परता से जांच करता है। विद्यालयों द्वारा की गई अनियमितताओं के कारण उनकी मान्यता रद्द करने, दर्जे को कम करने की सूचना आम जनता को जागरूक करने के लिए विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा दी जाती है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान 10 मामले प्राप्त हुए और संबंधित

Redressal of Public Grievances

The cell for the redressal of public grievances was set up in 1993. This cell constantly monitors public grievances received from different sources and ensures timely disposal of public complaints. Every week Wednesday forenoon is observed as 'Meetingless Day' in the Board's head office and Regional offices when the public can directly approach senior officers regarding grievances, if any. Monthly and quarterly reports on the public grievances are sent to the Ministry of HRD and to the Deptt. of Public Grievances, Cabinet Secretariat by the Board. 31 complaints in total were received during the period under report and settled in favour of the complainant with in a reasonable time frame.

Malpractice Cell

Besides the public grievance redressal the public relations unit of the board also monitors malpractice cell, which has been set up under the aegis of MHRD, Govt. of India. The main objective of the cell is to keep a vigilant watch on educational activities of private organizations and institutions. The cell monitors misleading advertisements appearing in national, regional dailies and also verifies complaints received from other public sources promptly. Cases of disaffiliation, down gradation of schools because of irregularities committed by the schools are also highlighted through media for generating public awareness. During the period under report 10 cases were

विद्यालयों/संस्थाओं के विरूद्ध यथोचित कार्रवाई की गई।

received and appropriate action was initiated against the schools/institutions.

अब तक निम्नलिखित जाली बोर्डों का पता लगाया जा चुका है।

1. सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, वाचस्पति भवन, उत्तम नगर, नई दिल्ली
2. ऑल इण्डिया बोर्ड ऑफ सैकेण्डरी एजुकेशन, गाज़ीपुर
3. सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
4. बोर्ड ऑफ एडल्ट एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, ब्रहम् पुरी, नांगलराय, नई दिल्ली

So far the following have been identified as Fake Boards

1. Central Board of Higher Education, Vachaspati Bhawan, Uttam Nagar, New Delhi.
2. All India Board of Secondary Education, Gazipur.
3. Central Board of Higher Education, East Patel Nagar, New Delhi.
4. Board of Adult Education & Training, Brahmpuri, Nangal Rai, New Delhi

प्रशासनिक परिवर्तन
Administrative Changes

विदाई

श्री अशोक गांगुली जो बोर्ड के अध्यक्ष पद पर कार्यरत थे बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा अपने पैतृक विभाग को प्रत्यावर्तित किये गए।

Farewell

Sh. Ashok Ganguly who was holding the post of Chairman, CBSE was repatriated to his parent department by the Controlling Authority of the Board.

निम्नलिखित अधिकारी जो बोर्ड में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत थे अपने पैतृक विभागों को प्रत्यावर्तित हुए:

श्री सत्य प्रकाश	वरिष्ठ लेखा अधिकारी
श्री रवीन्द्र कुमार कोटरु	लेखा अधिकारी
श्री एस.के. अग्रवाल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
श्री एस.के. चौधरी	कनिष्ठ लेखा अधिकारी

The following officers who joined CBSE on deputation, were repatriated to their respective parent departments:

- Sh. Satya Prakash - Sr. Accounts Officers
- Sh. Ravinder Kumar Kotru - Accounts Officer
- Sh. S.K. Aggarwal - Junior Accounts Officer
- Sh. S.K. Choudhary - Junior Accounts Officer

श्री एम.वी.वी. प्रसाद राव, संयुक्त सचिव को बोर्ड द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर निदेशक सीटीएसए में पदभार ग्रहण करने की अनुमति दी गई।

निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने के उपरान्त बोर्ड की सेवा से सेवानिवृत्त हुए

- श्री आर.पी. शर्मा — शिक्षा अधिकारी
- श्री जे.एन. भाटिया — उप सचिव
- श्री अनिल कुमार महरोत्रा — सहायक सचिव
- श्री दया किशन — अनुभाग अधिकारी
- श्री एन.पी. कैंथोला — अनुभाग अधिकारी
- श्री पी.एस. बिष्ट — प्रधान सहायक
- श्री आर.बी. सिंह — सहायक
- श्री ब्रिज किशोर शर्मा — फोटोकॉपीयर ऑपरेटर
- श्री रंजीत सिंह — फोटोकॉपीयर ऑपरेटर
- श्री नानक चंद — दफ्तरी
- श्री मोहन बहादुर — दफ्तरी

निम्नलिखित कर्मचारी बोर्ड की सेवाओं से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त हुए

- श्रीमती कमलेश कुमारी – उप सचिव
- श्री हकीकत राय – शाखा अधिकारी
- श्री तारा चन्द – सहायक

अतिरिक्त कार्यभार

बोर्ड सचिव श्री विनीत जोशी आई ए एस ने बोर्ड के अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार भी ग्रहण किया।

निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रतिनियुक्त के आधार पर बोर्ड में पदभार ग्रहण किया

- श्री पी.वी.साई रंगा राव – शिक्षा अधिकारी

Sh. M.V.V. Prasada Rao, Joint Secretary was relieved from the duties in CBSE to join as Director in CTSA, on deputation for a tenure of 5 years.

The following officers/official retired from the services of the Board on attaining the age of superannuation:-

- Sh. R.P. Sharma - Education Officer
- Sh. J.N. Bhatia - Deputy Secretary
- Sh. Anil Kumar Mehrotra - Assistant Secretary
- Sh. Daya Kishan - Section Officer
- Sh. N.P. Kainthola - Section Officer
- Sh. P.S. Bisht - Head Assistant
- Sh. R.B. Singh - Assistant
- Sh. Brij Kishore Sharma - Photocopier Operator
- Sh. Ranjeet Singh - Photocopier Operator
- Sh. Nanak Chand - Daftry
- Sh. Mohan Bahadur - Daftry

The following officers were granted voluntary retirement

- Smt. Kamlesh Kumari - Deputy Secretary
- Sh. Hakikat Rai - Section Officer
- Sh. Tara Chand - Assistant

Additional Charge

The Secretary CBSE Sh. Vineet Joshi, IAS, took the additional change as the Chairman, CBSE.

The following officers joined the Board on deputation basis:

- Sh. P.V. Sai Ranga Rao - Education Officer

- डॉ. (श्रीमती) सृजता दास – शिक्षा अधिकारी
- श्रीमती मीनाक्षी जैन – सहायक शिक्षा अधिकारी

- Dr. (Smt.) Srijata Das - Education Officer
- Smt. Menaxi Jain - Assistant Education Officer

पदोन्नतियां

उप सचिव के पद पर

- श्री एम.डी. धर्माधिकारी
- श्री जे. एम. रावल

उप सचिव (आई.टी.) के पद पर

- श्री आई.एम. कैथरीन

सहायक सचिव

- श्री अशोक कुमार धवन
- श्री एस. पी. शर्मा
- श्री बी. आर. उप्पल
- श्री अश्वनी कुमार
- श्री इन्द्रजीत सिंह
- श्री लखन लाल मीणा
- श्री ठाकुर दास

शाखा अधिकारी

- श्री वी. के. शर्मा
- श्री चुन्नी लाल
- श्री वी. के. घई
- श्रीमती पूनम कश्यप
- श्री आर. वेंकटेश
- श्री श्याम कपूर
- श्री वी.के. बब्बर
- श्रीमती सुनीता घई
- श्रीमती पूनम सचदेवा
- श्री अनिल कपूर
- श्रीमती मीनू जोशी
- श्रीमती सावित्री देवी
- श्री यश मक्कड़
- श्रीमती सतपाल कौर

Promotions

As Deputy Secretary

- Sh. M.D. Dharmadhikari
- Sh. J.M. Rawal

As Deputy Secretary (I.T.)

- Smt. I.M. Catherine

As Assistant Secretary

- Sh. Ashok Kumar Dhawan
- Sh. S.P. Sharma
- Sh. B.R. Uppal
- Sh. Ashwani Kumar
- Sh. Inderjeet Singh
- Sh. Lakhan Lal Meena
- Sh. Thakur Dass

As Section Officer

- Sh. V.K. Sharma
- Sh. Chunni Lal
- Sh. V.K. Ghai
- Smt. Poonam Kashyap
- Sh. R. Venkatesh
- Sh. Shyam Kapoor
- Sh. V.K. Babbar
- Smt. Sunita Ghai
- Smt. Poonam Sachdeva
- Sh. Anil Kapoor
- Smt. Meenu Joshi
- Smt. Savitri Devi
- Sh. Yash Makkar
- Smt. Satpal Kaur

समाविष्ठी

डा. (श्रीमती) साधना पराशर को बोर्ड में शिक्षा अधिकारी पद पर समाविष्ट किया गया।

अन्य प्रशासनिक विषय

निम्नलिखित अधिकारियों को नये क्षेत्रीय कार्यालय पटना एवं भुवनेश्वर में नियुक्त किया गया।

श्री एम.डी. धर्माधिकारी, उपसचिव क्षेत्रीय कार्यालय, पटना

श्री पीयुष कुमार शर्मा, सहायक सचिव क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेशनुसार सीबीएसई द्वारा की ट्रस्टी एवं राजस्व समिति का गठन किया गया है जिसके सदस्य निम्न प्रकार से हैं।

बोर्ड के ट्रस्टी की रचना

1. अध्यक्ष सीबीएसई – ट्रस्ट के पदेन अध्यक्ष
2. सचिव सीबीएसई – सदस्य
3. आईएएफए सीबीएसई – सदस्य
4. अध्यक्ष एसवीएसडब्ल्यूए सीबीएसई – सदस्य

निवेश समिति की रचना

1. सचिव सीबीएसई – अध्यक्ष
2. प्रधानाचार्य, इण्डिया इन्टरनेशनल स्कूल जयपुर और वित्तीय कमेटी के सदस्य – सदस्य
3. उपसचिव, प्रशासन सीबीएसई – सदस्य
4. उपवित्तीय सलाहकार सीबीएसई – सदस्य

Absorption

Dr. (Smt.) Sadhana Parashar, has been absorbed in the services of the Board as Education Officer.

Other Administrative Matters

The following officers were posted as office In-charge of the Board's new regional offices at Patna and Bhubaneshwar.

Sh. M.D. Dharmadhikari, Deputy Secretary-R.O., Patna

Sh. Piyush Kumar Sharma, Assistant Secretary-R.O.,Bhubaneshwar

In compliance with the orders of the MHRD, the CBSE has constituted a Board of Trustees and a Investment Committee comprising of the following members :-

Composition of Board of Trustees

1. The Chairman, CBSE - As ex-officio Chairman of the Trust
2. The Secretary, CBSE - Member
3. The I.A.F.A.,CBSE - Member
4. The President, SBSWA, CBSE - Member

Composition of Investment Committee

1. The Secretary, CBSE - Chairman
2. Principal, India International School, Jaipur & Member of Finance Committee - Member
3. Deputy Secretary, (Administration) CBSE - Member
4. Dy. Financial Advisor, CBSE. - Member

नाम में परिवर्तन

वरिष्ठ लेखा अधिकारी के पद को बिना कोई वित्तीय निहितार्थ उपवित्तीय सलाहकार के रूप में उसी वेतनमान में को बदल दिया गया है।

सहायक अभियंता के पद को वरिष्ठ अभियंता (एस्टेट) के लिये उसी वेतनमान में बिना कोई वित्तीय निहितार्थ को बदल दिया गया है।

Change in Nomenclature

The nomenclature of the post of Senior Accounts Officer sanctioned for CBSE (Hqrs.) has been changed to that of Deputy Financial Adviser in the same pay scale without any financial implications.

The nomenclature of Assistant Engineer (Estate) has been changed to that of Senior Engineer (Estate) in the same pay scale without any financial implications.

राजभाषा का प्रचार-प्रसार
Propagation of Official Language

संघ सरकार की राजभाषा नीति, नियमों तथा विनियम और गृह मंत्राालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को बोर्ड के दिल्ली स्थित कार्यालय तथा दिल्ली से बाहर स्थित विभिन्न क्षेत्राीय कार्यालयों में कार्यान्वित करने के लिए बोर्ड में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धरा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले सभी कार्यालयीन प्रलेखों (कागज–पत्रों) के अंग्रेजी से हिन्दी तथा विलोमतः अनुवाद का दायित्व भी इसी प्रकोष्ठ को सौंपा गया है। बोर्ड में हिंदी के प्रयोग में की गई प्रगति का मूल्यांकन करने तथा इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने के लिए अध्यक्ष, सीबीएसई, की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट– पर दी गई है। बोर्ड में हिंदी के प्रयोग की स्थिति के संबंध में त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट समेकित रूप से शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्राालय को मूल्यांकन के लिए प्रेषित की जाती है।

वार्षिक प्रोत्साहन योजना

हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु प्रोत्साहन योजना लागू की गई। जो 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक लागू होगी। इसके अंतर्गत 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार देने का प्रावधान है।

अनुवाद

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले विभिन्न प्रलेखों के अतिरिक्त अनुवाद तथा संपादन सहायता संबंधी निम्नलिखित कार्य किये गये :

Hindi Cell has been established in CBSE to assist in the implementation of the Official Language Policy of the Union Government, Act, Rules and to achieve the targets prescribed in annual programme issued by MHA, Department of official language for transacting the official work in Hindi.

All official documents contained under section 3(3) of the Official Language Act 1963 are translated from Engligh to Hindi and Vice-Versa by Hindi Cell. For the purpose of effective implementation of the orders etc. relating to progressive use of Hindi issued from time to time, the Official Language Implementation Committee headed by Chairman of the CBSE has been set up. List of the members of the Official Languages Implementation Committee is given at Appendix -I. Meeting of the Official Language Committee is organized quarterly.

Annual Incentive Scheme

In order to propagate the use of Hindi, an annual incentive scheme has been implemented in the Board Headquarter for officers/personnel. Duration of the scheme is from Ist April 2008 to 31st March 2009. There is a provision to award cash reward to 10 officers/personnel under this scheme.

Translation Work

Apart from the documents contained in Section 3(3) of the Official Language Act 1963, The following documents were translated :-

- वार्षिक लेखा विवरण
- वार्षिक रिर्पोट 2007–08
- बोर्ड के त्रैमासिक बुलेटिन 'सैनबोसक' में अध्यक्ष की कलम से स्तंभ
- विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति हेतू विज्ञापन

'हिंदी दिवस' तथा 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन

राजभाषा विभाग एवं मानव संसाधन विकास मंत्राालय द्वारा जारी किए दिशा निर्देशों कें अंतर्गत बोर्ड में दिनांक 14 सितम्बर 2008 को हिंदी दिवस तथा 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2008 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रतियागिताओं का आयोजन किया गया जिनमें हिंदी टिप्पण व प्रारूपण, हिन्दी निबंध, हिंदी कविता पाठ, सुलेख एवं श्रुतलेख, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं शामिल थी। विजेताओं को नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र भी दिये गये।

हिन्दी कार्यशाला

बोर्ड के मुख्यालय में 17.11.08 से 21.11.08 तक हिन्दी में कार्य कर रहे अधिकारी/कर्मचारियों की सहायता के लिये हिन्दी कार्यशाला का प्रबंध किया गया जिसमें 25 कर्मचारी उपस्थिति हुए।

- Annual Budget
- CBSE Annual Report 2007-08.
- Chairman's page in quarterly bulletin Cenbosec
- Advertisements regarding appointment/ deputation for various posts.

Celebration of 'Hindi Diwas' and 'Hindi Pakhwada'

Under the guidelines issued by MHA, Department of official language and MHRD, the Board celebrated Hindi Day on 14th September 2008 and Hindi Fortnight from 14th September 2008 to 28th September 2008. Under this programme various Hindi Competitions like Hindi noting/ drafting, Hindi essay, Hindi typing, Debate and Hindi handwriting/Dictation were conducted for the officers/personnel of the Board. Cash reward and commendation certificates were also awarded to the winners.

Hindi Workshop

To help the officers/personnel working in Hindi, a Hindi Workshop was organized in Board Headquarter from 17.11.2008 to 21.11.2008. 25 personnel attended this workshop.

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट (कक्षा XII) परीक्षा परिणाम 2008
Senior School Certificate Examination (Class XII) Results 2008

परीक्षा अवधि	1 मार्च, 2008 से 2 अप्रैल, 2008 तक
परीक्षाफल घोषणा तिथि	
	अजमेर, चैन्नई, पंचकुला 21 मई, 2008
	गुवाहाटी, इलाहाबाद, दिल्ली 23 मई 2008

मुख्य बातें

- वर्ष 2008 में कक्षा XII की परीक्षा हेतू 549344 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। पिछले वर्ष की तुलना में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या में 9.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- वर्ष 2007 के परीक्षाफल की तुलना में उत्तीर्ण प्रतिशत में 0.27 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

  वर्ष 2008 का उत्तीर्ण प्रतिशत --> 80.91

  वर्ष 2007 का उत्तीर्ण प्रतिशत --> 80.64
- इस वर्ष छात्राओं का परीक्षाफल छात्रों की तुलना में बेहतर। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 85.44 रहा जबकि छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 77.59 रहा
- व्यक्तिगत रूप से तथा स्कूलों को ईमेल, एस.एम.एस., आई.वी.आर.एस. के माध्यम से भी परीक्षाफल उपलब्ध करवाये गये।
- नियमित परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 83.11 जबकि प्राईवेट परीक्षार्थियों उत्तीर्ण प्रतिशत 37.77 रहा ।
- क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई का उत्तीर्ण प्रतिशत 91.75 रहा जो सभी क्षेत्रीय कार्यालयो में उच्चतम था।

Duration of Examination	: 1st March 2008 to 2nd April 2008
Date of Declaration of Results :	
	Ajmer, Chennai, Panchkula - 21st May, 2008 * Guwahati, Allahabad and Delhi 23rd May, 2008

Highlights

- In all 549344 candidates were registered for the examination held in 2008 as there was an increase of approximately 9.18% over the last year.
- An increase of 0.27% in the overall pass percentage as compared to 2007 results.

  Pass percentage of 2008 --> 80.91

  Pass percentage of 2007 --> 80.64
- Girls performed better than boys. Pass percentage of girls was 85.44 as compared to that of boys which was 77.59.
- Arrangements for sending results to schools and individuals on E-mail, SMS, IVRS.
- Pass percentage of regular students was 83.11 as compared to 37.77 of private.
- Overall pass percentage of Chennai region is 91.75 which is the highest as Compared to other regions.

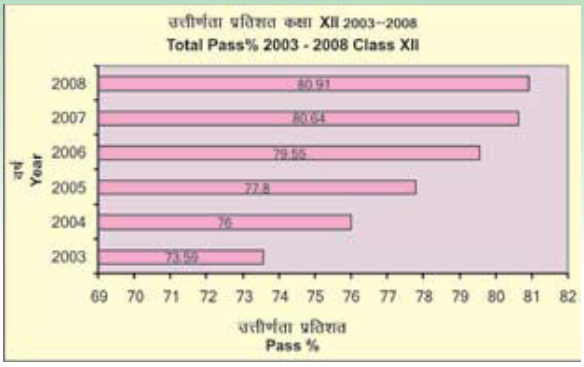
उत्तीर्णता प्रतिशत कक्षा XII 2003–2008
Total Pass% 2003 - 2008 Class XII
2008
2007
2006
2005
2004
2003
वर्ष
Year
80.91
80.64
79.55
77.8
76
73.59
69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %

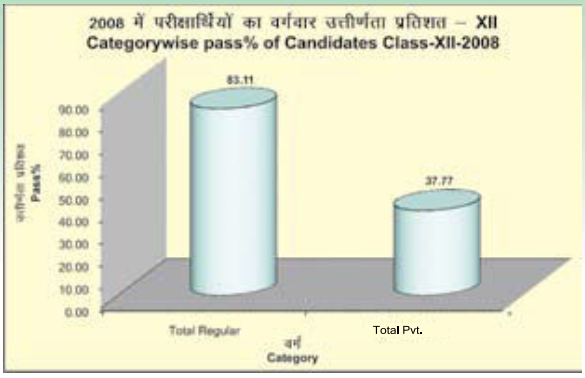
2008 में परीक्षार्थियों का वर्गवार उत्तीर्णता प्रतिशत – XII
Categorywise pass% of Candidates Class-XII-2008
83.11
37.77
90.00
80.00
70.00
60.00
50.00
40.00
30.00
20.00
10.00
0.00
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
Total Regular
Total Pvt.
वर्ग
Category

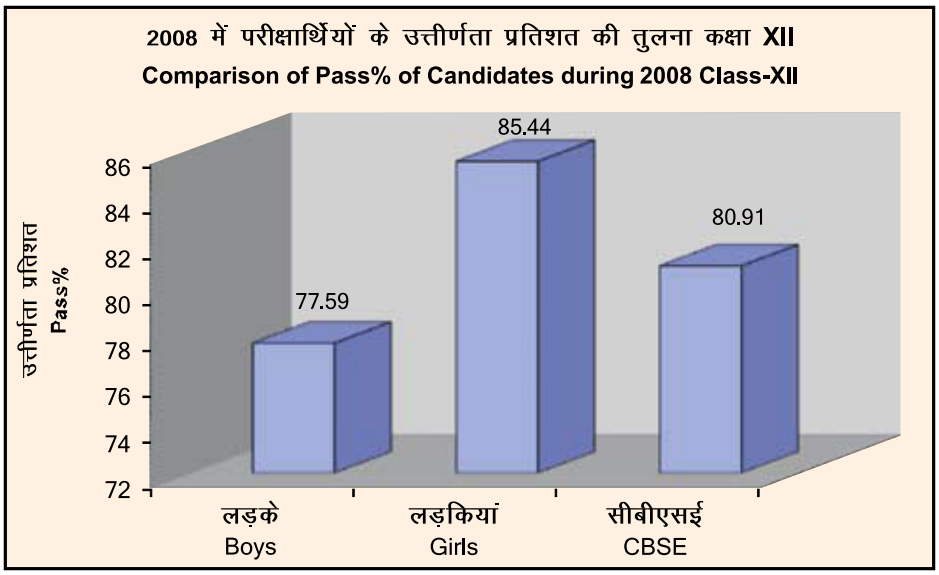
2008 में परीक्षार्थियों के उत्तीर्णता प्रतिशत की तुलना कक्षा XII
Comparison of Pass% of Candidates during 2008 Class-XII
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
86
84
82
80
78
76
74
72
77.59
85.44
80.91
लड़के
Boys
लड़कियां
Girls
सीबीएसई
CBSE

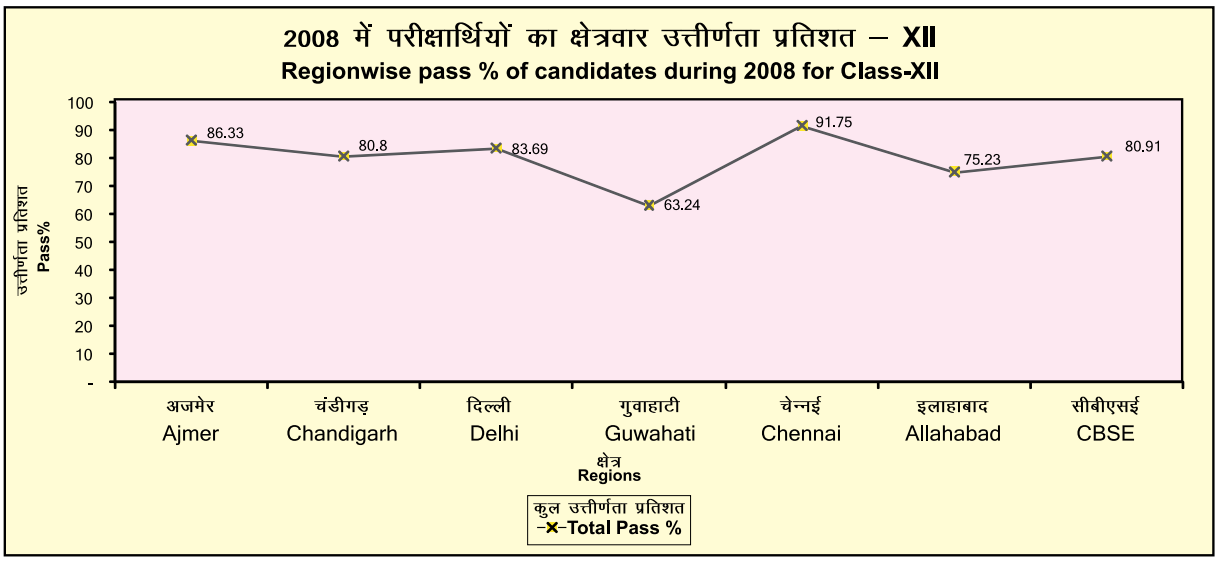
2008 में परीक्षार्थियों का क्षेत्रवार उत्तीर्णता प्रतिशत – XII
Regionwise pass % of candidates during 2008 for Class-XII
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
100
90
80
70
60
50
40
30
20
10
-
86.33
80.8
83.69
63.24
91.75
75.23
80.91
अजमेर
Ajmer
चंडीगढ़
Chandigarh
दिल्ली
Delhi
गुवाहाटी
Guwahati
चेन्नई
Chennai
इलाहाबाद
Allahabad
सीबीएसई
CBSE
क्षेत्र
Regions
कुल उत्तीर्णता प्रतिशत
–×–Total Pass %

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट (कक्षा X) परीक्षा परिणाम 2008
Secondary School Examination (Class X) Results 2008

परीक्षा अवधि	1 मार्च से 27 मार्च, 2008 तक
परीक्षाफल घोषणा तिथि	चैन्नई 27 मई, 2008 अजमेर, चंडीगढ़, गुवाहाटी, इलाहाबाद और दिल्ली 29 मई 2008

Duration of Examination	: 1st March to 27th March, 2008
Date of Declaration of Results	: * Chennai - 27th May 2008 * Ajmer, Chandigarh, Guwahati, Allahabad and Delhi - 29th May 2008

मुख्य बातें

- वर्ष 2008 में कक्षा 10 की परीक्षा हेतु कुल 765687 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए । पिछले वर्ष की तुलना में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या में 8.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।
- वर्ष 2007 के परीक्षाफल की तुलना में उत्तीर्ण प्रतिशत में 2.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।
  वर्ष 2007 का उत्तीर्ण प्रतिशत – 84.44
  वर्ष 2008 का उत्तीर्ण प्रतिशत – 87.08
- इस वर्ष छात्राओं का परीक्षाफल छात्रों की तुलना में बेहतर। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.96 रहा जबकि छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.46 रहा
- व्यक्तिगत रूप से तथा स्कूलों को ईमेल, एमएमएस, आईवीआरएस के माध्यम से भी परीक्षाफल उपलब्ध करवाये गये।
- नियमित परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 88. 96 जबकि प्राईवेट परीक्षार्थियों उत्तीर्ण प्रतिशत 26.34 रहा ।
- क्षेत्रीय कार्यालय चैन्नई का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.26 रहा जो सभी क्षेत्रीय कार्यालयो में उच्चतम था।

Highlights

- In all 765687 candidates were registered for the examination held in 2008 there was an increase of approximately 8.48% candidates over the last year.
- An increase of 2.64% in the overall pass percentage as compared to 2007 results.
  Pass percentage of 2007 --> 84.44
  Pass percentage of 2008 --> 87.08
- Girls performed better than boys. Pass percentage of girls is 87.96 as compared to that of boys which was 86.46.
- Arrangements for sending results to schools and individuals on E-mail, SMS, IVRS.
- Pass percentage of regular students was 88.96 as compared to 26.34 of private candidates.
- Overall pass percentage of Chennai region is 95.26 which is the highest as compared to other regions.

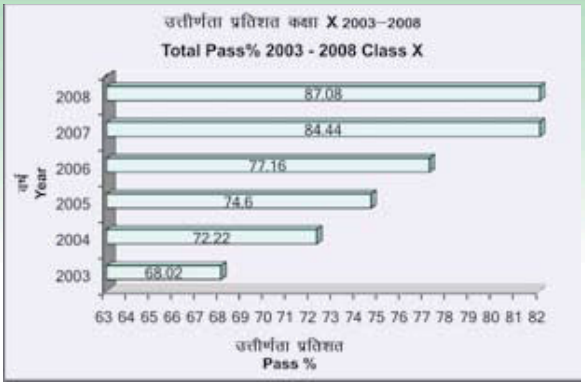
उत्तीर्णता प्रतिशत कक्षा X 2003–2008
Total Pass% 2003 - 2008 Class X
2008
2007
2006
2005
2004
2003
87.08
84.44
77.16
74.6
72.22
68.02
63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %

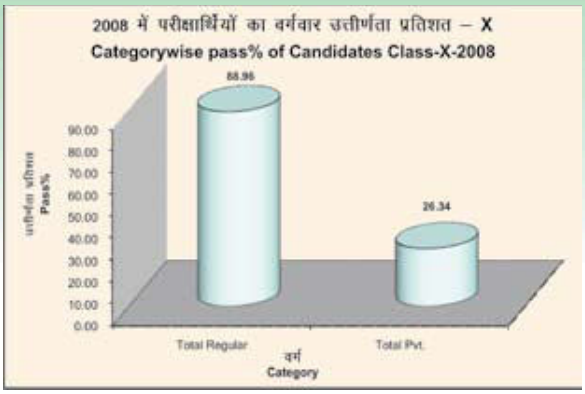
2008 में परीक्षार्थियों का वर्गवार उत्तीर्णता प्रतिशत – X
Categorywise pass% of Candidates Class-X-2008
88.96
26.34
90.00
80.00
70.00
60.00
50.00
40.00
30.00
20.00
10.00
0.00
Total Regular
Total Pvt.
वर्ग
Category

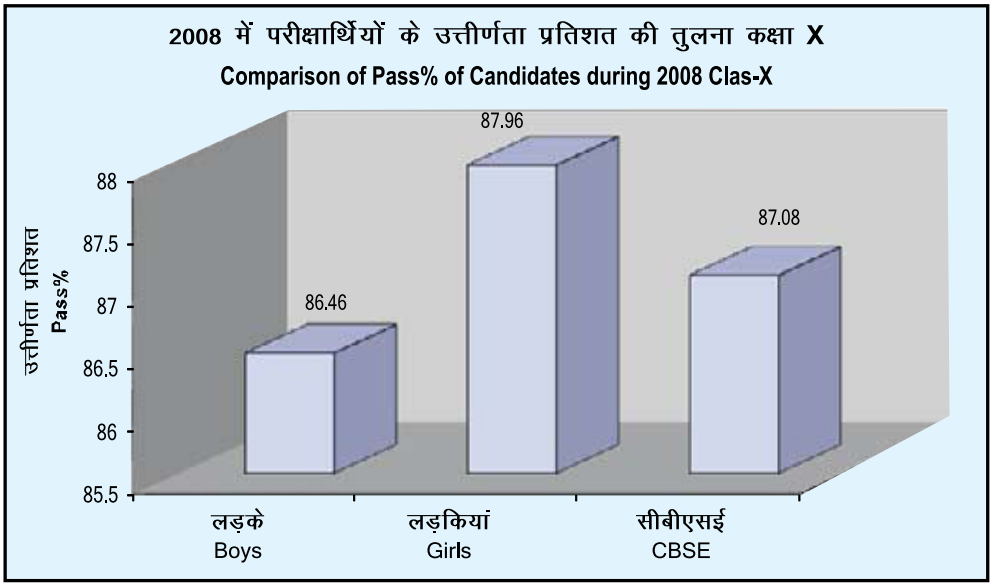
2008 में परीक्षार्थियों के उत्तीर्णता प्रतिशत की तुलना कक्षा X
Comparison of Pass% of Candidates during 2008 Clas-X
87.96
87.08
86.46
88
87.5
87
86.5
86
85.5
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
लड़के
Boys
लड़कियां
Girls
सीबीएसई
CBSE

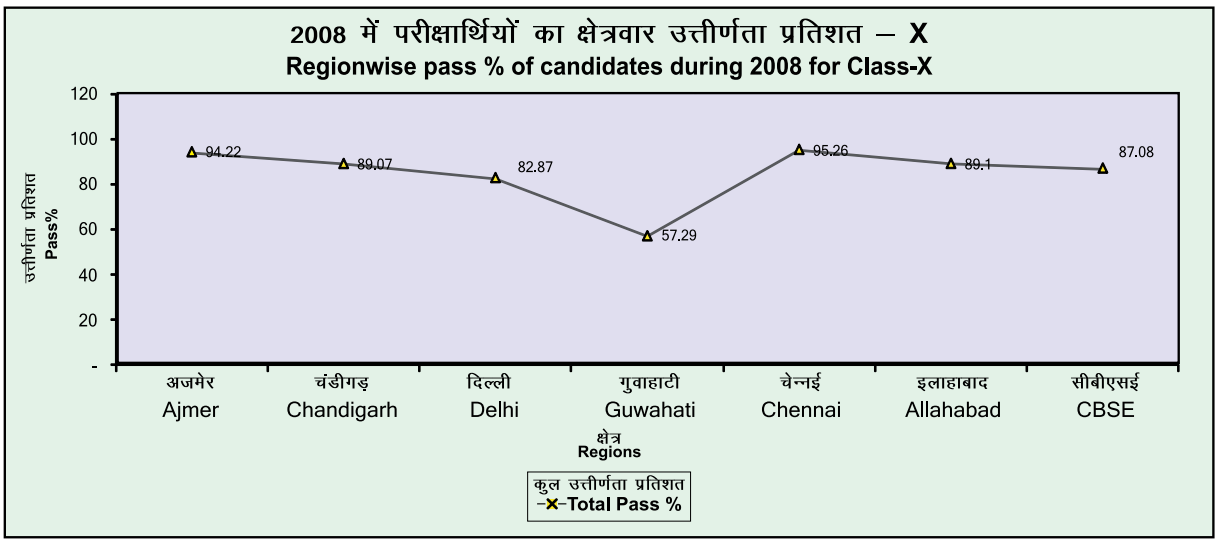
2008 में परीक्षार्थियों का क्षेत्रवार उत्तीर्णता प्रतिशत – X
Regionwise pass % of candidates during 2008 for Class-X
120
100
80
60
40
20
-
94.22
89.07
82.87
57.29
95.26
89.1
87.08
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
अजमेर
Ajmer
चंडीगढ़
Chandigarh
दिल्ली
Delhi
गुवाहाटी
Guwahati
चेन्नई
Chennai
इलाहाबाद
Allahabad
सीबीएसई
CBSE
क्षेत्र
Regions
कुल उत्तीर्णता प्रतिशत
Total Pass %

वर्ष 2008 की परीक्षाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

उच्च क्रम चिंतन कौशल (हॉट) : प्रश्न–पत्रों के संशोधित डिजाइन

1. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम गठन–2005 के आधार पर बोर्ड ने वर्ष 2008 की परीक्षाओं के लिए कक्षा–X और XII की परीक्षाओं के लिए सभी प्रमुख विषयों में प्रश्न–पत्रों को पुनः डिजाइन किया गया। सूचना की समझ के परीक्षण के अतिरिक्त, हॉटस का फोकस विद्यार्थी की तर्क–वितर्क, तर्क–संगत, विश्लेक्षण–प्रक्रिया और सूचना के मूल्यांकन को आंकने पर है ।
2. नए डिजाइन में लगभग 10 प्रतिशत अति लघु उत्तर–प्रश्न और लगभग 20प्रतिशत प्रश्न उच्च क्रम चिंतन कौशल का मूल्यांकन करने के लिए शामिल किये गये ।
3. नए डिजाइन पर तैयार किए गए प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र सीबीएसई की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाये गए ।

संशोधित डिजाइन पर आधारित प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

प्रत्येक विषय के लिए मूल्य अंकों सहित प्रश्न–पत्रों के नये डिजाइन पर आधारित प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र तैयार किए गए थे । प्रतिदर्श प्रश्न पत्रों में मार्किंग योजनाओं और प्रश्नवार विश्लेषण के साथ प्रश्न–पत्रों का ब्ल्यू प्रिंट शामिल होता है। इससे विद्यार्थियों और अध्यापकों को प्रश्न–पत्रों के पैटर्न, विभिन्न विषयों के लिए निर्धारित अंक, विषयपरक निर्देश एवं कठिनाईयों के संबध में जानकारी मिलती है।

– कक्षा–12वीं के लिए ये भाषा, मानविकी, वाणिाज्य तथा विज्ञान में मुद्रित किये गए ।

– कक्षा–10वीं के लिए ये भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में मुद्रित किये गए ।

Important Information Regarding 2008 Examinations

High Order Thinking Skills (HOTS) : Revised designs of question papers

(1) Based on the National Curriculum Framework – 2005 the Board had redesigned the question papers in all the major subjects for class X & XII for 2008 examinations.Besides testing understanding of information. the focus of HOTS is on measuring students' abilities to reason, justify, analyze, process and evaluate information.

(2) The new design included about 10% of very short answer questions and about 20% of questions to assess **High Order Thinking Skills.**

(3) Sample Question Papers were developed on the new design and published. They were also made available on CBSE website.

Sample Question Papers based on revised design

Sample question papers based on new design of question papers were prepared along with value points for each topic. The sample papers contain the blue print of question papers along with the marking schemes and question wise analysis. This gives advantage to the teachers and students to learn about the pattern of question papers and the weightage assigned to different topics, instructional objectives and difficulty level.

- For Class XII these were printed in Languages, Humanities, Commerce & Science
- For Class X these were printed in Languages, Mathematics, Science, Social Science

अंकन योजनाओं की प्रिंटिंग

वस्तुनिष्ठ और विश्वसनीय मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड द्वारा मुख्य विषयों में विकसित अंकन योजनाओं के सघन अभ्यास किये जाते है । इससे अध्यापकों और विद्यार्थियो को विषयों के पाठ्यक्रम और महत्व को ध्यानपूर्वक अध्ययन करने, प्रश्नों को समझने, कठिनाइयों को नोट करने और अंक योजना के अर्न्तगत प्रश्नों की समीक्षा के अवसर प्राप्त होते है ।

2007 की कक्षा–X और XII की परीक्षाओं पर आधारित प्रमुख विषयों में अंकन योजनाएं निम्नलिखित विषयों में उपलब्ध करवाई गई

निर्विधन मूल्यांकन सुनिश्चित करने हेतु उपाय

(क) अनुक्रमांक की गोपनीयता में परिशुद्धता एवं दक्षता सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष कक्षा बाहरवीं हेतु उत्तर–पुस्तिकाओं का मुख–पृष्ठ संशोधित किया गया और क्षेत्रीय कार्यालयों–अजमेर एवं पंचकुला के क्षेत्राधिकार के तहत परीक्षार्थियों के लिए अग्रगामी परियोजना के रूप में कार्यान्वित किया गया ।

(ख) चीफ नोडल सुपरवाईजरः जिन शहरों में विद्यालयों की संख्या अधिक है और एक विषय में तीन या इससे अधिक मुख्य परीक्षक हैं उनमें मूल्यांकन के लिए बोर्ड द्वारा विद्यालय के प्राचार्यो को चीफ नोडल सुपरवाईजर के रूप में नियुक्त किया गया। इस वर्ष भी चीफ नोडल सुपरवाईजर उसी विषय के प्रभारी थे जिस विषय में उन्होंने पी.जी.टी. या प्राचार्य के रूप में शिक्षण किया था या कर रहे है । इससे मूल्यांकन कार्य के उचित प्रबंधन, पर्यवेक्षण और उसे समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने में सहायता मिली ।

(ग) पर्यवेक्षण–सारणीः प्रश्न–पत्रों के न्यायसंगत लेन–देन और परीक्षार्थियों की संगत शिकायतों के निपटान हेतु इस वर्ष भी सभी विद्यालयों के

Marking Schemes

To ensure objective and reliable evaluation, the Board undertakes extensive exercise of developing Marking Schemes in main subjects. This gives an opportunity to teachers and students to go through the syllabus and weightage for subjects carefully, comprehend the questions and note down the difficulties and examine the questions in conjunction with the Marking scheme.

Marking schemes in major subjects in class X and XII were made available in the following subjects based on 2007 examinations:

Steps to ensure smooth evaluation

(a) In order to ensure further efficiency and accuracy in the secrecy of roll numbers, title page of the answer books for Class XII was modified and implemented as a pilot project for examinees under the jurisdiction of Regional Offices – Ajmer and Panchkula for the first time.

(b) Chief Nodal Supervisors: The Board has been appointing school principals as Chief Nodal Supervisors for evaluation purpose in cities where the number of schools is large and three or more Head Examiners are involved in a subject. This year also the Chief Nodal Supervisors were put in charge of the same subject, which he or she had taught or had been teaching as PGT or Principal. This helped in proper manageability, supervision and timely completion of evaluation work.

(c) Observation Schedules: To give fair deal to the question papers and redress genuine grievances of the students, observation

प्राचार्यो को पर्यवेक्षण प्रपत्र भेजे गए जिससे वे संबंधित विषय की परीक्षा के आयोजन के 24 घंटे के भीतर अपने सुझाव दर्ज कर अग्रेषित कर सकें ताकि अंकन–योजना तैयार करते समय विशेषज्ञों द्वारा उन पर विचार किया जा सकें।

घ) अनिवार्य मूल्यांकन : मूल्यांकन के लिए चयन किए गए शिक्षकों को बोर्ड द्वारा सूचित किया गया कि उन्हें निर्धारित तिथि एवं समय पर रिर्पोट करना होगा अन्यथा उनके वार्षिक अभिलेख में इसकी प्रविष्ठि की जायेगी । इसके अलावा किसी विद्यालय द्वारा शिक्षकों को कार्यमुक्त न करने पर दोषी संस्थान के परिणाम रोके जा सकते थे । तथापि जिनका सहयोग बहुत अच्छा होगा, उनके रिकार्ड में इस आश्य की प्रविष्टि भी की जाएगी ।

schedules were sent to all the schools principals to record and forward their suggestions within 24 hours of the conduct of examination of concerned subject so that these could be considered by the expert group while preparing the marking schemes.

(d) Mandatory evaluation: Teachers selected for evaluation work had to report on the appointed date and time to avoid a mention in their annual records. Non-release of teachers by any school could lead to withholding the result of the defaulting institution. However, those extending willing and effective cooperation will also find a mention in their personal records.

दृश्य, श्रव्यदोष, विकलांग और डिस्लेक्सिक विद्यार्थियों के लिए कक्षा X एवं XII में सुविधाएँ

1. मिडिल स्कूल अर्थात आठवीं कक्षा तक तृतीय भाषा के अध्ययन से छूट

2. माध्यमिक विद्यालय कक्षा– स्तर पर छूट है कि वे एक भाषा या वैकल्पिक विषयों में से कोई चार ले सकते है जैसेः– गणित, विज्ञान एवं तकनीकी, सामाजिक विज्ञान, अन्य भाषा, संगीत, पेटिंग, गृह विज्ञान, एवं प्रारंभिक सूचना तकनीकी

3. लेखन सहायक की अनुमति

4. लेखन सहायक परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी से एक कक्षा कम का विद्यार्थी होना चाहिए

Facilities for the students suffering from Audio-visual, Physical Impairment and Dyslexia:

1. Exemption from studying third language up to middle school level (i.e. Class VIII);

2. Mathematics, Science, Social Science, another Language, Music, Painting, Home Science and Introductory Information Technology, Commerce (Elements of Business) & Commerce (Elements of Book Keeping and Accountancy)

3. Permission to use an amanuensis;

4. The amanuensis should be a student of class lower than the one for which the candidate will be taking the examination;

5. परीक्षा केन्द्र अधीक्षक उपयुक्त लेखन सहायक चुनेगा व उसका विवरण विचारार्थ और अनुमोदन के लिए संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी को भेजेगा

6. परीक्षार्थी लेखन सहायक को निर्धारित शुल्क का भुगतान करेगा जबकि नेत्रहीन, शारीरिक रूप से विकलांग, संस्तंभी परीक्षार्थियों को लेखन सहायक की सेवायें निःशुल्क प्राप्त होगी

7. लेखन सहायक को बोर्ड द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक दिया जाता है जो इस समय रू0 100/– प्रति दिन है

8. परीक्षार्थियों को सभी या किसी भी एक पेपर में लेखन सहायक की अनुमति दी जाती है

9. यदि परीक्षार्थियों को डाईग्राम इत्यादि स्वयं बनाने की इच्छा हो तो यह अनुमति दी जा सकती है

10. कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा में बैठने वाले विशेष श्रेणी विद्याार्थियों को नये नियम के अनुसार निम्नानुसार अतिरिक्त समय की अनुमति दी जाएगी :–

क) 3 घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 60 मिनट

ख) अढाई घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 50 मिनट

ग) 2 घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 40 मिनट

घ) डेढ घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 30 मिनट

11. केन्द्र अधीक्षक संस्तंभी, नेत्रहीन, डिस्लैक्सिक एवं शारीरिक रूप से विकलांग परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था जहां तक संभव हो भूतल पर करेगें।

5. The Centre Superintendent of the Examination Centre shall choose a suitable amanuensis and forward his/her particulars to the Regional Officer concerned for consideration and approval;

6. The candidate shall pay the fee as prescribed for use of the amanuensis. However, the Blind, Physically Handicapped or Spastic Candidate should be provided services of an amanuensis free of cost;

7. The amanuensis shall be paid remuneration as prescribed from time to time by the Board, which at present is Rs.100/- per day;

8. The candidate may be permitted to use the services of an amanuensis in all or any of the papers.

9. The candidate may be permitted to draw the diagrams etc. themselves, if desired by them.

10. As per the new rule the special category students appearing for X or XII examination shall be allowed additional time as given below:

i) 60 minutes for a paper of 3 hours duration.

ii) 50 minutes for a paper of 2 ½ hours duration

iii) 40 minutes for a paper of 2 hours duration

iv) 30 minutes for a paper of 1 ½ hours duration.

11. The Centre Superintendent shall make the sitting arrangements for the dyslexic, blind, physically handicapped and spastic candidates on the ground floor, as far as possible;

12. कक्षा–X कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी और सामान्य विज्ञान विषय में दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए दृश्य प्रश्नों के स्थान पर वैकल्पिक प्रश्न प्रदान किए जाते है। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र में भी वैकल्पिक प्रश्न होते है ।

13. दृष्टिविहीन परीक्षार्थियों के लिए कक्षा X में साईंस और टेक्नॉलाजी और गणित के प्रश्न–पत्रों के लिए अलग से बड़े प्रिंट में प्रश्न–पत्र दिया जाता है ।

14. केन्द्र अधीक्षकों से कहा जाता है कि वे विशेष वर्ग के परीक्षार्थियों की उत्तर–पुस्तिकाओं को एक अलग कवर में संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को भिजवाये।

15. इन विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कुछ चुने हुए विद्यालयों को ही परीक्षा केन्द्र बनाया जाता है।

16. दिल्ली में नेत्रहीन परीक्षार्थियों को टाइपराईटर या कम्प्यूटर पर उत्तर लिखने की व्यवस्था है।

17. नेत्रहीन विद्यालयों के अध्यापक ही सहायक अधीक्षक (पर्यवेक्षक) के रूप में परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त किए जाते है । हालांकि सावधानी के तौर पर भिन्न दिनों में भिन्न विषयों के अध्यापक नियुक्त किये जाते है ।

18. शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के परीक्षार्थियों के लिए उत्तर–पुस्तिका के ऊपर पृष्ठ पर एक अलग कॉलम दर्शाया गया है ताकि ऐसी उत्तर पुस्तिकाओ को बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय को अलग से भिजवाया जा सके ।

19. परीक्षार्थियों के लिए गणना का कार्य स्वयं करना अनिवार्य नही है ।

12. Alternative type questions are provided in lieu of questions having visual inputs for the blind candidates in English Communicative and Social Science for Class X and History, Geography and Economics and Political Science for Class XII;

13. Separate question papers in enlarged print for Mathematics and Science in Class X are provided for candidates having visual impairment;

14. The Centre Superintendent(s) are directed to send the answer books of special category students in separate covers to the Regional Office concerned;

15. To facilitate easy access, a few selected schools are made examination centres for special students;

16. Blind candidates from Delhi have the facility to use computer or a typewriter for writing answers;

17. Teachers from blind schools are appointed as Assistant Superintendent(s)(Invigilators) at the special examination centres. However, precaution be taken to appoint different subject teachers on different days;

18. A separate column has been provided on the title page of the answer book for indicating the category of physically challenged candidates so that these answer books could be segregated for sending them separately to the Regional Office of the Board.

19. It is not mandatory for the candidates to do the calculations themselves.

सीबीएसई काउंसलिंग
CBSE Counselling

सीबीएसई ने यह अग्रगामी सामुदायिक कार्य 11 वर्ष पूर्व 1998 में पहली बार टेलीकाउंसलिंग से आरंभ किया था। सीबीएसई टेलीकाउंसलिंग की विशिष्टताएं इस प्रकार है :–

1) यह सीबीएसई से सम्बद्ध विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा दो चरणों में संचालित की जाती है । पहला चरण परीक्षा पूर्व तथा दूसरा परिणामों की घोषणा के बाद आयोजित किया जाता है।

2) यह स्वैच्छिक एवं निःशुल्क सेवा प्रतिभागियों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है ।

3) यह लचीली ओर मोबाइल–सेवा है ।

प्रथम चरण फरवरी–मार्च 2008

सीबीएसई से सम्बद्ध राजकीय और प्राइवेट विद्यालयों के 31 प्राचार्य, प्रशिक्षित काउंसलर, मनोवैज्ञानिक और समाज–वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत रूप से हेल्प–लाइन को भारत में 13 केन्द्रों से सम्पन्न किया। भारत से बाहर दुबई, कुवैत, दोहा–कतर, शारजाह और यमन में कुल छः हैल्प–लाइन केन्द्र थे।

द्वितीय चरण 21 मई–4 जून 2008

हैल्प लाइन के दूसरे चरण की शुरूआत 21 मई से हुई जो 4 जून तक चली। यह सेवाएं 36 प्राचार्य, काउंसलरों द्वारा देश के 13 केन्द्रों तथा देश से बाहर 4 केन्द्रों से प्रदान की गई।

टेलीकाऊंसलिग के अतिरिक्त बोर्ड ने मनोवैज्ञानिक परामर्श को नई तकनीक के माध्यम से निम्न प्रकार की सेवाओं में भी प्रदान कर व्यापक और प्रभावी बनाया है।

CBSE started this pioneering community work 11 years back in 1998 for the first time starting with TELE- COUNSELLING. The main features of CBSE tele-counselling are :

(i) It is offered by trained counselors and Principals from within CBSE affiliated schools in two phases. Pre-examination and Post result declerations.

(ii) It is a voluntary free of cost service provided by the participants.

(iii) It is a flexible and mobile service.

Ist Phase Feb- March 2008

As many as 31 Principals, trained counselors from CBSE affiliated govt. and private schools, psychologists and social scientists operated the first phase of helpline individually from 13 centres in India and six helpline centres at Dubai, Kuwait, Doha and Qatar, Sharjah, Yemen.

IInd Phase 21st May - 4th June 2008

The second Phase of Helpline started from 21st May upto 4th June. As many as 36 Principals and counselors operated CBSE Tele Helpline from 13 centres spread over the country. 4 centers were set up out side the country.

Besides, telecounselling, CBSE has broad based Psychological counselling by incorporating modern technology to provide effecive services via following modes also.

आई वी आर एस (इंटरएक्टिव वायस रिसपांस सिस्टम)

देश में किसी शिक्षा बोर्ड द्वारा शुरू की गई यह पहली सुविधा है । सी.बी.एस.ई. ने ''इन्टरएक्टिव वायस रिसपान्स सिस्टम'' (आई वी आर एस) पद्धति द्वारा टेलीकाउंसलिंग उपलब्ध करवाए जाने के अनूठे प्रयास किए है। यह सेवा इस वर्ष चौथी बार प्रदान की गई।

सीबीएसई वेबसाइट

परिणामों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण सुझाव सी.बी.एस.ई की वेबसाईट पर उपलब्ध कराएं गए।

प्रश्न–उत्तर कॉलम सी.बी.एस.ई. ने साप्ताहिक प्रश्न उत्तरों के कॉलम के लिए प्रमुख राष्ट्रीय समाचार–पत्रों जैसे –इंडियन एक्सप्रैस, हिन्दू, हिन्दुस्तान–टाइम्स और दैनिक हिन्दुस्तान से भी सहभागिता की ।

ऑन लाइन काउंसलिंग सेवा सी.बी.एस.ई. के निदेशक (शैक्षिक) और परीक्षा नियंत्रक द्वारा भी ऑन लाईन काउंसलिंग प्रदान की गई।

IVRS (Interactive Voice Response System)

First to be introduced by any Board of Education in the country, CBSE has made a unique effort to provide tele-counseling through Interactive Voice Response System (IVRS) mode. It was done for the fourth consecutive year.

CBSE Website

Some useful tips related to post result situations were provided at CBSE website.

Question-Answer columns CBSE collaborated with national papers like Indian Express, Hindu, Hindustan Times and Hindustan Dainik for weekly Question Answer columns.

On- Line Counselling Was provided by Controller of Examination and Director Academics.

21वीं अखिल भारतीय प्री मेडिकल / प्री डैंटल प्रवेश परीक्षा

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसरण में 21वीं अखिल भारतीय प्री मेडिकल / प्रीडैंटल प्रवेश परीक्षा दो चरणों में 6 अप्रैल, (प्रारंभिक) तथा 11 मई, 2008 (मुख्य) को संपन्न हुई। प्रारंभिक परीक्षा में 266 परीक्षा केन्द्रों पद 148865 परीक्षार्थी बैठे। मुख्य परीक्षा के लिये 22,014 परीक्षार्थी बैठे तथा 4412 परीक्षार्थी सफल हुये।

सातवीं अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा

7वीं अखिल भारतीय इंजीनियरी प्रवेश परीक्षा, 27 अप्रैल 2008 को आयोजित की गई । यह परीक्षा 85 शहरों में स्थित 1298 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की गई जिसमें रियाद और दुबई भी शामिल थे। पंजीकृत 862853 परीक्षार्थियों में से 792752 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के अंतर्गत कार्रवाई योजना (पी.ओ.ए.) 1992 के अनुसरण में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सी.बी.एस.ई. को वर्ष 2002 से अखिल भारतीय इंजीनियरिंग/भेषजी/ वास्तुकला प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ई.ई.ई.) के संचालन का दायित्व सौंपा गया है ताकि मानित विश्वविद्यालयों, संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई.) के अंतर्गत आने वाले संस्थानों से इतर केन्द्रीय संस्थानों तथा राज्यों / संघशासित प्रदेशों में स्थित संस्थानों में निःशुल्क तथा सशुल्क दोनो प्रकार की सीटों के लिए इंजीनियरिंग, भेषजी तथा वास्तुकला के कार्यक्रमों को उपलब्ध करवाने वाले संस्थानों के व्यावसायिक एवं तकनीकी कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के दोहराव को कम किया जा सके ।

21st All India Pre-Medical/ Pre- Dental Entrance Examination

In pursuance of the Supreme Court of India directive, the 21st All India Pre-Medical/ Pre-Dental Entrance Examination was conducted in two phases on 6th April, (preliminary) and on 11th May, 2008 (final). 148865 candidates appeared in the Preliminary exam held of 266 exam centres. 22014 Candidates qualified for final exam 4412 candidats here placed in merit and wast list.

7th All India Engineering Entrance Examination

The 7th All India Engineering Entrance Examination was conducted on 27th April, 2008. In all there were 1298 examination centres located in 85 cities including Riyadh and Dubai. 862853 candidates were registered and 792752 appeared.

In pursuance of Programme of Action (POA), 1992 under the National Policy of Education (1986), the Government of India, Ministry of Human Resource Development assigned the responsibility to the CBSE for conducting All India Engineering/Pharmacy/ Architecture Entrance Examination (AIEEE) from the year 2002 with a view to reduce the multiplicity of tests for admissions to professional & technical programmes in the country to cater to Engineering, Pharmacy and Architecture programmes offered in the Deemed Universities, Central Institutions other than those covered by Joint Entrance Examination (JEE) and institutions in the States/UT's for both the free/ payment seats.

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा

एक वर्ष में तीन बार बोर्ड द्वारा जे.एन.वी. में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए परीक्षाएं संचालित की जाती हैं। ग्रीष्मबंद्ध विद्यालयों के लिए फरवरी, शरदबंद्ध विद्यालयों के लिए सितम्बर–अक्टबूर में इन परीक्षाओं का सचांलन किया जाता है। जे.एन.वी. द्वारा सत्यापित नए विद्यालयों के लिए परीक्षा सितम्बर–अक्टूबर में होने के स्थान पर जून तथा जुलाई 2008 में संचालित की गई। वर्ष 2008 में 1293045 परीक्षार्थी फरवरी/ अप्रैल /जून/जुलाई माह में संचालित परीक्षाओं में बैठे।

कक्षा नौवीं के लिए चयन परीक्षा

सी.बी.एस.ई. द्वारा कक्षा नौवीं में प्रवेश परीक्षा का भी संचालन किया जाता है। जून 2008 में परीक्षा में 77660 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

Jawahar Navodaya Vidyalaya Selection Test

The selection tests for admission to Class VI in JNVs are conducted by the Board thrice a year, February for summer bound schools, April for winter bound schools and September-October for newly established JNVs. For newly established JNVs, the examination was conducted in June, 2008 in place of September/October. Similarly, a special examination for newly established JNVs was also conducted in June-July, 2008. 1293045 candidates appeared in February/April/June/ July 2008 examinations.

Selection Test for Class IX

CBSE also conducts the examination for admission to class IX. 77660 candidates appeared in the examination, which was held in June 2008.

ग्रेडिंग
Grading

कक्षा एवं की परीक्षाओं में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के साथ–साथ ग्रेड भी दशार्ए जाते है। सैद्धान्तिक (थ्योरी) और प्रायोगिक (प्रैक्टीकल) दोनों विषयों में ग्रेडिंग नौ अंक बिन्दुओं के द्वारा की जाती है। उत्तीण र्ा अभ्यर्थियों की व्यवस्था श्रेणी (रैंक) के अनुसार की जाती है। बाह्य परीक्षा के प्रत्येक विषय में अर्हक अंक 33 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं। दिए जाने वाले ग्रेडों का विवरण निम्न प्रकार है।

- ए–1 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों का 1/8
- ए–2 अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- बी–1 अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- बी–2 अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- सी–1अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- सी–2अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- डी–1अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- डी–2अगले उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का 1/8
- ई सभी अनुर्त्तीण अभ्यर्थी

बराबरी (टाइ) होने पर एक जैसे अंक प्राप्त करने वाले सभी अभ्यार्थियों को वैसा ही ग्रेड दिया जाता है। ग्रेडिंग की उपयुर्क्त पद्धति उन विषयों में ही उपयोग में लाई जाती है जिनमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की संख्या 500 से अधिक हो। कक्षा और में ग्रेडवार विवरण **परिशिष्ट IV-V** में दिया गया है।

In addition to the numerical scores, the Board also reflects grades obtained by a candidate in the Class X and XII examinations. Grading is done on a nine-point scale in subjects including theory and practical. The passed candidates are arranged in a rank order. Qualifying marks in each subject of external examination is fixed at 33%. The grades are awarded in the following manner:

- A-1 Top 1/8 of the passed candidates
- A-2 Next 1/8 of the passed candidates
- B-1 Next 1/8 of the passed candidates
- B-2 Next 1/8 of the passed candidates
- C-1 Next 1/8 of the passed candidates
- C-2 Next 1/8 of the passed candidates
- D-1 Next 1/8 of the passed candidates
- D-2 Next 1/8 of the passed candidates
- E Failed candidates

In case of tie, all the candidates getting the same score, are given the same grade. The above method of grading is used in subjects where the number of candidates passed is more than 500. The details of grade wise distribution in Class X and XII is mentioned in Appendix IV & V respectively.

योग्यता छात्रवृत्ति योजनाएं
Merit Scholarship Schemes

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए योजनाएं

- सी.बी.एस.ई. द्वारा संचालित ए.आई.पी.एम.टी/ए.आई.ई.ई.ई. परीक्षा में उत्कृष्टता सूची के रैंक के अनुसार किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय/केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित अथवा सहायता प्राप्त संस्थान में चिकित्सा/इंजीनियरिंग में व्यावसायिक पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले उत्कृष्ट 500 विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए रु. 1000 प्रतिमाह अध्येतावृत्तियां प्रदान की जाती हैं। यह अध्येतावृत्ति राशि चार वर्ष के लिए प्रतिवर्ष नवीकरण के आधार पर प्रदान की जाती है।
- स्नातक पूर्व शिक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 550 अध्येतावृत्तियां प्रति माह रु. 500/– की दर से उन उत्कृष्ट बालिका छात्राओं को दी जाती हैं जिसने 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये थे और जो माता–पिता की एकमात्र संतान हैं यह छात्रवृत्तियां किसी भी केन्द्रीय/राज्य सरकार/ यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय में स्नातक पूर्व अध्ययन के लिये मान्य हैं और कक्षा XII के उपरांत उत्कृष्टता सूची के आधार पर 3 वर्ष के लिये दी जाती हैं जिनका नवीकरण प्रतिवर्ष किया जाता है।
- सी.बी.एस.ई. एक उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति उत्कृष्ट एकल बालिका छात्रा को भी देती है जो अपने माता–पिता की एक मात्र संतान है और उसने सी.बी.एस.ई. की कक्षा X की परीक्षा 60% या उससे अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण की है तथा कक्षा XI और XII में अपनी विद्यालयी शिक्षा जारी रख रही है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाले अभिभावकों के प्रयासों को सम्मानित करना तथा उत्कृष्ट छात्रों का उत्साहवर्धन करना है। यह

Schemes For Various Courses

- A maximum number of 500 scholarships are awarded for professional courses to the meritorious students pursuing professional studies in medicine / engineering in any Central University/institution controlled or aided by Central Govt. according to the rank in the merit list of AIPMT/AIEEE conducted by the CBSE. The duration of scholarship is four years subject to renewal on year to year basis and the value of the scholarship is Rs. 1000/- per month.
- A maximum number of 550 scholarships are awarded for Under Graduate Courses to the meritorious single girl students securing 60% marks or above and who are the only child of the parents for pursuing Under Graduate courses (non-medical, non-engineering) in any Central, State Government Universities or those recognised by UGC according to the rank in the merit list of XIIII examination conducted by the CBSE. The duration of scholarship is three years subject to renewel on year to year basis and the value of the schoalrship is Rs. 500/- per month.
- CBSE has also introduced a Merit Scholarship for the meritorious Single Girl Students, who are the only child of their parents and have passed the CBSE Class X Examination with 60% or more marks and are continuing their further school education of Class XI and XII in CBSE schools. The

छात्रवृति 500/– रु. प्रतिमाह की दर से दी जाती है।

scholarship is awarded @ Rs. 500/- per month.

➢ शैक्षिक सत्र 2008–09 के लिए प्रदत्त अध्येतावृत्तियों तथा वितरित राशि का विवरण

अध्येतावृत्ति योजना	अध्येता–वृत्तियों की संख्या	संस्वीकृत राशि (रुपयों में)
एकल बालिका कक्षा X 2008	977	58,62,000/-
स्नातक पूर्व 2008	298	17,88,000/-
ए.आई.ई.ई.ई 2008	216	25,92,000/-
ए.आई.पी.एम.टी. 2008	103	12,36,000/-
कुल	**1594**	**1,14,78,000/-**

➢ The details of scholarships awarded and amount disbursed for the session 2008-2009

Scholarship Scheme	No. of scholarship awarded	Amount sanctioned (in rupees)
Single Girl Child X 2008	977	58,62,000/-
Under Graduate 2008	298	17,88,000/-
AIEEE 2008	216	25,92,000/-
AIPMT 2008	103	12,36,000/-
Total	**1594**	**1,14,78,000/-**

➢ वर्ष 2008–09 अध्येतावृत्तियों का नवीकरण निम्नानुसार है

अध्येतावृत्ति योजना	नवीकृत अध्येता–वृत्तियों की संख्या	संस्वीकृत राशि (रुपयों में)
एकल बालिका कक्षा X 2007	808	48,48.000/-
स्नातक पूर्व		
स्नातक पूर्व - 2006 348		
स्नातक पूर्व - 2006 091	439	26,34,000/-
ए.आई.ई.ई.ई.		
ए.आई.ई.ई.ई. 2005 - 275		
ए.आई.ई.ई.ई. 2006 - 318		
ए.आई.ई.ई.ई. 2007 - 299	892	1,07,04,000/-
ए.आई.पी.एम.टी		
ए.आई.पी.एम.टी 2005 - 077		
ए.आई.पी.एम.टी 2006 - 105		
ए.आई.पी.एम.टी 2007 - 136	318	38,16,000/-
योग	**2457**	**2,20,02,000/-**

➢ The details of scholarships renewed during the year 2008-09 are as under

Scholarship Scheme	No. of scholar-ship renwed	Amount sanctioned (in rupees)
1. Single Girl Class X 2007	808	48,48,000/-
2. Under Graduate		
Under Graduate - 2006 348		
Under Graduate - 2007 091	439	26,34,000/-
3. AIEEE		
AIEEE 2005 - 275		
AIEEE 2006 - 318		
AIEEE 2007 - 299	892	1,07,04,000/-
4. AIPMT		
AIPMT 2005 - 077		
AIPMT 2006 - 105		
AIPMT 2007 - 136	318	38,16,000/-
Total	**2457**	**2,20,02,000/-**

शैक्षिक कार्यकलाप
Academics Activities

पाठ्यचर्या

एनसीएफ 2005 का कार्यान्वयन

कक्षा V से कक्षा VIII तक एन.सी.एफ. 2005 के अनुसार नया पाठ्यचर्या संशोधन के तीसरे चरण के पूर्ण होने के साथ ही कक्षा 1 से 12वीं तक की सभी कक्षाओं में लागू कर दी गई। इन कक्षाओं की नयी पाठ्यपुस्तकों के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के सहयोग से टेली कान्फ्रेसिंग द्वारा भी अध्यापक अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पाठ्यचर्या का अद्यतनीकरण

पाठ्यक्रम 2011 के मुद्रण के लिए पाठ्यचर्या के अद्यतनीकरण के वार्षिक कार्यक्रम को पूर्ण किया गया। इस प्रक्रिया में किये गये कुछ मुख्य परिवर्तन थेः–

- वैकल्पिक विषय "इंजीनियरिंग ड्राइंग" में "कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग को सम्मिलित करके इसके क्षेत्र को बढ़ाते हुए इसका "इंजीनियरिंग ग्राफिक्स" नाम से पुनर्नामकरण किया गया।
- सेकेण्डरी स्तर पर "आरम्भिक सूचना प्रौद्योगिकी" विषय को विस्तृत कर इस विषय के नाम में परिवर्तन कर इसे "सूचना प्रौद्योगिकी के आधार" कर दिया गया। यह कोर्स सीनियर स्कूल स्तर पर कम्प्यूटर से संबंधित सभी कोर्सों के लिए एक आधारभूत कोर्स का कार्य करेगा।
- सीनियर स्कूल स्तर पर कम्प्यूटर संबंधित कोर्स में सांपत्तिक स्रोतों को हटा कर निःशुल्क/मुक्त स्रोत द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया।

Curriculum

Implementation of NCF 2005

With the completion of the third phase of revision of text books for classes V and VIII the new curriculum as per NCF 2005 was implemented in all classes I to XII. Teachers' orientation for new text books was carried out via teleconferencing modes also in collaboration with NCERT.

Updating The Curriculum

The annual feature of updating the curriculum was completed for printing the curriculum document 2011. Some of the major changes in the process were:

- The elective subject "Engineering Drawing" was renamed as "Engineering Graphics" there by expanding the scope of the subject to include Computer Aided Designing.
- The secondary level "Introductory Information Technology" as was renamed as "Foundation of Information technology", the syllabus has been fine tuned to serve as a foundation course for all computer related courses at senior school level.
- The computer related courses at senior school level were revised to delete proprietary sources mentioned in the syllabus and replaced by free/open sources.

- अंग्रेजी, फ्रेंच तथा संस्कृत के समान सम्प्रेशण उपागम का विस्तार करते हुए जर्मन के पाठ्यक्रम का नये उपागम के अनुसार पुनःनिर्धारण किया गया।
- क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ्यचर्या में संबंधित राज्य बोर्ड के पाठ्यचर्या के अनुरूप परिवर्तन किये गये।
- पाठ्यक्रम दस्तावेज 2010 का हिंदी संस्करण मुद्रित किया गया।

नये पाठ्यक्रम की शुरूआत

- "कक्षा 11 में "हेरिटेज क्राफ्ट" तथा "ग्राफिक डिजाइन" नामक नये वैकल्पिक विषय शुरू किये गये। एनसीईआरटी द्वारा तैयार किया गया पाठ्यक्रम एवं इन विषयों की पाठ्य पुस्तकें भी सीबीएसई द्वारा अपनाया गया है।
- मलेशियन बोर्ड द्वारा तैयार किये गये पाठ्यक्रमों तथा पाठ्यपुस्तकों को स्वीकार तथा अनुकूलित कर पिछले वर्ष कक्षा 9 में भाषा मलेयू शुरू की गई। इसे कक्षा 10 तक बढ़ाया गया। कक्षा 10 का पहला बैच 2009 की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुआ।
- वर्ष 2008–09 से कक्षा–8 में जापानी भाषा शुरू करने के उपरांत अब संप्रेषण उपागम पर आधारित कक्षा–9 तथा 10 के पाठ्यक्रम तैयार किये गये पाठ्यक्रम तथा पाठ्य–विषयक सामग्री तैयार करने के लिए जापानी फाउन्डेशन के साथ सहभागिता की गई।
- जर्मन भाषा में कक्षा 6 से 8 तक के लिए नया पाठ्यक्रम विकसित किया गया और कक्षा–6

- The communicative approach adopted in English, French and Sanskrit was extended to revamp the syllabi in German on the new approach.
- Wherever applicable changes were effected in syllabi of regional languages in consonance with the respective state board syllabi.
- The Hindi version of the curriculum document was 2010 printed.

New curricular initiatives

- New electives "Heritage Crafts" and "Graphic Design" were intrdouced in class XI. Syllabi prepared by NCERT have been adopted and adapted by the CBSE. Text books have also been prepared by NCERT in these subjects.
- Bhasa Maleyu introduced in class IX last year was extended to class X and the first batch appeared for the class X Board exam of 2009. The syllabi and text books prepared by the Malaysian Board have been adopted and adapted.
- As a sequel to the introduction of Japanese language in class VIII in 2008-09 class IX and X syllabi were prepared adopting the communicative approach. The Board has collaborated with the Japanese Foundation in the preparation of syllabus as well as the textual materials.
- New syllabi were developed in the German language for classes VI to VIII and introduced

में वर्तमान सत्र से लागू किया गया। विषय की पाठ्य विषयक सामग्री एवं पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए बोर्ड ने गोथ इन्स्टिट्यूट, मैक्समूलर भवन के साथ सहभागिता की।

- पणाधारकों के अनुरोध पर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 11 व 12 के लिए मनोविज्ञान तथा अर्थषास्त्र विषय में पूरक ई–लर्निंग सामग्री विकसित की और उसे अपनी वेबसाइट पर डाला।

निर्धारण तथा मूल्यांकन

- आपदा प्रबंधन का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन के एक भाग के रूप में प्रोजेक्ट के द्वारा होगा। बोर्ड परीक्षा में आपदा प्रबंधन में सैद्धान्तिक को आवंटित 8 अंकों का पुर्नवितरण सामाजिक विज्ञान के शेष चार घटकों में करने के निर्णय के बारे में स्कूलों को अवगत कराया गया। इसे मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन सैद्धान्तिक पक्ष के साथ नये एन सी एफ 2005 पाठ्यचर्या में विषयों को एकरूप करने के लिए तथा जागरूकता के व्यावहारिक उपयोगिता पर बल देने के लिए किया गया। सीबीएसई की कक्षा–9 के लिए आपदा प्रबंधन की पुस्तक सुरक्षित भारत की ओर–II के हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों संस्करणों को संशोधित करके बोर्ड द्वारा मुद्रित किया गया।

- वर्ष 2009 तथा उसके बाद के कक्षा–10 की बोर्ड परीक्षा में प्रयोगिक कौशल के मूल्यांकन में कक्षा–9 में प्रायोगिक को शामिल करने के साथ, प्रायोगिक कौशल पर आधारित पुस्तक को संशोधित किया गया तथा विद्यालयों को उपलब्ध करवाया गया। यह निर्णय विचारों को आत्मसात तथा ज्ञान के निर्माण में प्रायोगिक अनुभव के महत्व को बढ़ाने के लिए किया गया।

in class VI in the current year. The board has collaborated with the Goethe institute, Max Muller Bhawan in the preparation of syllabi and textual materials in the subject.

- Responding to the requests from stake holders, the Central Board of Secondary Education developed supplementary e-learning material for the classes XI and XII and posted on its website in the subjects of Psychology and Economics.

Assessment and Evaluation

- A decision was taken to evaluate disaster management through projects as a part of internal assessment. 8 marks allotted to theory in disaster management in the board exam have been redistributed among the remaining four components of social science and conveyed to schools. This has been mainly done in view of integrating the disaster management theory across the disciplines in the new NCF2005 curriculum and to emphasize the practical utility of the awareness. Also the CBSE's textbook on Disaster Management 'Together Towards a Safer India – II' for class IX was revised and printed by the Board in both Hindi and English versions.

- With the inclusion of class IX practical in the assessment of practical skills in class X board exam from 2009 onwards the book on practical skills was revised and made available to schools. This has been undertaken to strengthen the value of hands on experience in realizing the concepts and constructing knowledge.

- बोर्ड परीक्षा 2010 से सीनियर स्कूल परीक्षा में, सामाजशास्त्र में 20 अंकों का बाह्य परीक्षा के प्रोजेक्ट का एक घटक जोड़ दिया गया चूंकि समाजशास्त्र में प्रोजेक्ट न केवल छात्रों द्वारा ज्ञान की संरचना तथा रचनात्मकता का पोषण करने में सहायक है, बल्कि यह एक व्यक्ति में सामाजिक मुद्दों तथा चिन्ताओं के प्रति सही दृष्टिकोण विकसित करने तथा समस्या समाधान की क्षमता बनाने में भी सहायक है।

- वैकल्पिक "रचनात्मक लेखन तथा अनुवाद अध्ययन" के पहले बैच ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा दी। बोर्ड ने इसके लिए कक्षा 11 व 12 के पाठ्यविषय सामग्री तैयार की थी।

- बोर्ड मिडिल कक्षाओं के सतत तथा समग्र मूल्यांकन तथा बोर्ड परीक्षा में ग्रेड प्रदान करने के प्रारूप को अन्तिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

- माध्यमिक स्तर पर गणित प्रयोगशाला में आन्तरिक मूल्यांकन को बढ़ाने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा प्रकाशित की गई पुस्तकों को संशोधित कर उपलब्ध कराया गया।

- सभी विषयों के प्रतिदर्श प्रश्न पत्र एवं अंकन योजना को संशोधित किया गया तथा उन्हें मार्च 2009 की परीक्षा के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर डालने के साथ–साथ मुद्रित तथा प्रकाशित भी किया गया।

- सीनियर स्कूल स्तर पर अंग्रेजी तथा अर्थशास्त्र तथा सेकेण्डरी स्तर पर गणित में बोर्ड की 2008 की परीक्षा पर आधारित निष्पादन विश्लेषण,

- An external examination component of projects in the subject of Sociology for 20 marks in senior school has been introduced to be implemented in the board examination 2010 since Projects in Sociology are not only a tool facilitating construction of knowledge by the students and fostering creativity in them, but also a major contributor in infusing the right attitude for social issues and concerns in an individual and capacity building for problem solving.

- The first batch in the elective "Creative Writing and Translation Studies" appeared in the Board Examination in class XII. The board had prepared textual materials for class XI and XII.

- Board is in the process of finalizing the format for continuous and comprehensive evaluation in middle classes as well as awarding grades in the Board Examination.

- In order to strengthen the internal assessment in mathematics at secondary level through math laboratory the books published by the board were revised and made available.

- Sample Question Papers along with marking schemes in all subjects were revised printed and published and uploading on the Board's website for March 2009 examination were.

- Performance analysis based on the Board Examination 2008 was undertaken in the subjects of English and Economics in Senior School level in collaboration with Australian

आस्ट्रेलियन शैक्षिक अन्वेषण परिषद की सहभागिता से किया गया। इसके परिणाम बहुउपयोगी होंगे तथा बोर्ड के प्रश्न पत्रों के विश्लेषण, मुख्य परीक्षक, परीक्षक तथा नोडल पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के संबंध में उपयोगी होंगे।

संवर्धन क्रियाकलाप

- **सीबीएसई हेरिटेज इंडिया क्विज** : हेरिटेज इंडिया क्विज का लिखित दौर अगस्त 2008 में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 3000 छात्रों ने भाग लिया। नेशनल प्री–फाइनल एवं फाइनल, नई दिल्ली में आयोजित हुए। माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल जयपुर ने सीबीएसई हेरिटेज इंडिया क्विज–2008 के विजेता के रूप में ट्राफी जीती।

- सीबीएसई नेशनल इन्फॉमैटिक्स ओलम्पियाड नवम्बर 2008 में आयोजित हुआ जिसमें पूरे भारत तथा विदेशों से लगभग 38 केन्द्रों में 9000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इन्टरनेशनल ओलम्पियाड केरो में 23 अगस्त 2008 में आयोजित हुआ जिसमें भारतीय टीम के तीन छात्रों ने कांस्य पदक जीते।

Council of Educational Research (ACER) and Mathematics at Secondary level. The findings have multiple benefits such as self diagnosis of the board's question papers, training of Head Examiners, Examiners and nodal supervisors.

Enrichment activities

- CBSE Heritage India Quiz: The Written Round of Heritage India Quiz was conducted in August, 2008. Nearly 3000 students participated. Zonal rounds were conducted in October to December, 2008. The National Pre-finals and finals were held in New Delhi. Maheshwari Girls Public School, Jaipur won the coveted trophy as the winner of the CBSE Heritage India Quiz-2008.

- CBSE National Informatics Olympiad was conducted in November 2008 in which over 9000 students participated at about 38 centers from all over India and abroad. The International Olympiad was concluded in Cairo on 23rd August 2008 in which three students of the Indian team, won bronze medals.

- **क्षेत्रीय ग्रुप मैथमेटिक्स ओलम्पियाड** परीक्षा 9 नवम्बर, 2008 को आयोजित हुई तथा लगभग 4500 छात्रों ने भाग लिया। इन में से सर्वोत्तम 30 छात्र जनवरी 2009 में आयोजित होने वाले इंडियन नेशनल मैथमेटिक्स ओलम्पियाड में भाग लेने के लिए चुने गये।

- प्रबंधन कृषि एवं खाद्य, ऊर्जा संसाधन, आपदा प्रबंधन, मैथमेटिकल मॉडलिंग शैक्षणिक प्रौद्योगिकी जैसे उप विषयवस्तुओं सहित 'साइंस एंड टेक्नोलोजी एंड प्लेनेट अर्थ' विषयवस्तु पर जोनल तथा राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। लगभग 180 माडल प्रदर्शित किये गये जिनमें से सर्वोत्तम 20 माडल वर्ष 2008 में सोलन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए चुने गये।

- The regional Group Mathematics Olympiad examination was held on 9th November, 2008 and nearly 4500 students participated in it. Out of these, 30 best students were selected to participate in the Indian National Mathematics Olympiad held in January, 2009.

- The National Science Exhibition was conducted at zonal followed by national level on the theme "Science and Technology and Planet Earth" with Water Management, Agriculture and Food, Energy Resources, Disaster Management, Mathematical Modelling, Educational Technology as sub-themes. About 180 exhibits were displayed out of which 20 best exhibits were selected to participate in the National Children's science exhibition 2008 held at Solan, Himachal Pradesh.

- स्कूलों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, हिंदी सप्ताह तथा हिंदी दिवस, विश्व एड्स दिवस, सड़क सुरक्षा सप्ताह, विज्ञान दिवस आदि जैसे महत्वपूर्ण दिवसों के प्रति सुग्राहित किया गया और स्कूलों द्वारा अपने स्तर पर विभिन्न क्रियाकलाप भी आयोजित किए गये।

- Schools were asked to observe important days such as the National Education Day, Hindi week and Hindi Diwas, World AIDS Day, Road safety week, Food safety week, Science Day etc. to sensitise the students and various activities were undertaken by the schools.